RNI NO PUNBIL/2014/59416

UTURNTIME.COM

यूटर्न टाइम

The Good, Bad and Ugly of India

FOLLOW US ON @UTURNTIMENEWS

गुस्ताखी माफ

हमें सेलरी की अजी, नहीं खास दरकार।
इतना तो लेते बना, डेली हम सरकार।
डेली हम सरकार, बना लेते हैं इतना।
आप बताएं अभी, जुटा दें चंदा उतना।
कह साहिल कविराय, ऊंट के मुंह में जीरा।
इतने का तो पियें, रोज हम गूंद-कतीरा।

- डॉ. राजेन्द्र साहिल

VOL: 11 | ISSUE 169 | FRIDAY 26-06-2026 | RS-03 | PAGE-12 | PUBLISHED BY: LUDHIANA | HINDI DAILY NEWSPAPER Visit at : www.uturntime.com

लुधियाना में हीट वेव से निपटने के लिए केंद्र की बड़ी पहलः 12 शहरों में हीट-रेज़िलिएंस पायलट प्रोजेक्ट के लिए हुआ चयन, मिलेंगे 5 करोड़

लुधियाना/यूटर्न/25 जून। देश में बढ़ते हीटवेव (लू) के प्रभाव को कम करने और शहरों को जलवायु परिवर्तन के अनुरूप बनाने के लिए द नेशनल इंस्टीच्यूट ऑफ अरबन अफेयर्स (एनआईयूए) ने देश के 12 चुनिंदा शहरों में शामिल किया है। जिसमें पंजाब स्टेट से सिर्फ लुधियाना को सिलेक्ट किया गया है। यह हीट-रेज़िलिएंस पायलट प्रोजेक्ट है, जिसके तहत शहर में गर्मी के प्रभाव को कम करने के लिए कई आधुनिक उपाय किए जाएंगे। इस परियोजना के लिए केंद्र सरकार के आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय (एमओएचयूए) की ओर से नगर निगम लुधियाना को 5 करोड़ की राशि प्रदान की जाएगी। इस योजना के तहत शहर में कूल और ग्रीन रूफ (ठंडी और हरित छतें), सार्वजनिक स्थानों पर छायादार क्षेत्र, अतिरिक्त जल आपूर्ति केंद्र और सार्वजनिक शौचालयों का विकास किया जाएगा। साथ ही मौसम निगरानी प्रणाली को भी अपग्रेड किया जाएगा। लुधियाना में शुरू होने वाला यह पायलट प्रोजेक्ट शहरी गर्मी को कम करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। हालांकि विशेषज्ञों का मानना है कि दीर्घकालिक समाधान केवल योजनाओं से नहीं, बल्कि बड़े स्तर पर हरित क्षेत्र को संरक्षित करने से ही संभव है।

15 महीने में पूरा होगा प्रोजेक्ट

नगर निगम आयुक्त ओजस्वी अलंकार ने बताया कि इस परियोजना का उद्देश्य लुधियाना जैसे औद्योगिक शहरों को हीट-रेज़िलिएंट सिटी के रूप में विकसित करना है। यह योजना लगभग 15 महीनों में चरणबद्ध तरीके से लागू की जाएगी। उन्होंने बताया कि शहर के विभिन्न जोन में तापमान और हरियाली का स्तर अलग-अलग है। उदाहरण के लिए जोन डी में हरियाली अपेक्षाकृत अधिक है, जबकि जोन ए,बी और सी जैसे घनी आबादी वाले क्षेत्रों में गर्मी का असर ज्यादा है। ऐसे क्षेत्रों को प्राथमिकता देकर राहत पहुंचाने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

कमजोर वर्गों को प्राथमिकता

इस योजना का सबसे बड़ा फोकस उन लोगों पर होगा, जो एयर कंडीशनर या कूलर जैसी सुविधाएं नहीं ले पाते। उनके लिए सार्वजनिक स्थानों पर छायादार और ठंडे वातावरण वाले क्षेत्र विकसित किए जाएंगे ताकि गर्मी के प्रभाव को कम किया जा सके। योजना के तहत पहले शहर में हीट-स्टेस हॉटस्पॉट की पहचान के लिए एक बेसलाइन सर्वे भी किया जाएगा, जिससे यह तय किया जाएगा कि किन इलाकों में सबसे ज्यादा गर्मी का असर है।

आधुनिक तकनीक से गर्मी पर नियंत्रण की कोशिश

इस आधुनिक तकनीक, वैज्ञानिक योजना और नवाचार के माध्यम से शहर में बढ़ते तापमान के प्रभाव को काफी हद तक कम किया जा सकता है। मानना है कि यह योजना शहरी जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाने में मदद करेगी और भविष्य में जलवायु परिवर्तन के असर को कम करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

पर्यावरण प्रेमियों ने उठाए सवाल...हालांकि इस योजना को लेकर पर्यावरण विशेषज्ञों ने सवाल भी उठाए हैं। पर्यावरण प्रेमियों ने कहा कि यह अच्छी पहल है, लेकिन असली समस्या यह है कि शहरों में हरित क्षेत्र (ग्रीन कवर) लगातार कम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जब पेड़ों और हरियाली को काटकर विकास किया जाता है, तो फिर बाद में ऐसे प्रोजेक्ट शुरू करने का क्या लाभ है। उनके अनुसार कुछ छतों पर हरियाली लगाने से पूरे शहर की गर्मी की समस्या का समाधान नहीं हो सकता।

मेयर सौरभ जोशी का नगर निगम कार्यालयों में औचक निरीक्षण

कर्मचारियों को समयपालन और जवाबदेही के दिए निर्देश

अजीत झा

चंडीगढ़/यूटर्न/25 जून। चंडीगढ़ नगर निगम के मेयर सौरभ जोशी ने गुरुवार सुबह विभिन्न नगर निगम कार्यालयों का औचक निरीक्षण कर कर्मचारियों की उपस्थिति, कार्यालयों की कार्यप्रणाली और नागरिक सेवाओं का जायजा लिया। निरीक्षण का उद्देश्य प्रशासनिक दक्षता, जवाबदेही और जनसेवाओं की गुणवत्ता सुनिश्चित करना था। निरीक्षण के दौरान मेयर ने कर्मचारियों के उपस्थिति रजिस्टर, कार्यालयों की स्वच्छता व्यवस्था, जनसुनवाई प्रणाली और विभिन्न शाखाओं के कामकाज की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों से बातचीत कर नागरिकों की शिकायतों के निस्तारण और सेवा वितरण व्यवस्था की भी जानकारी ली। मेयर सौरभ जोशी ने कुछ स्थानों पर कर्मचारियों के देर से पहुंचने पर चिंता व्यक्त करते हुए सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को कार्यालय समय का सख्ती से पालन करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि समयपालन और कार्य के प्रति जिम्मेदारी ही बेहतर प्रशासन और नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण सेवाएं उपलब्ध कराने का आधार है। उन्होंने कहा कि नगर निगम पारदर्शिता, जवाबदेही और जनहित के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है। किसी भी प्रकार की लापरवाही, नियमित रूप से देर से आने की प्रवृत्ति या नागरिकों के कार्यों में अनावश्यक देरी को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ऐसे मामलों में नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। मेयर ने विभागाध्यक्षों को निर्देश दिए कि वे कर्मचारियों की उपस्थिति पर नियमित निगरानी रखें और यह सुनिश्चित करें कि नागरिकों की शिकायतों का समयबद्ध एवं संतोषजनक समाधान किया जाए। उन्होंने कहा कि आम जनता को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराना नगर निगम की प्राथमिक जिम्मेदारी है। सौरभ जोशी ने स्पष्ट किया कि प्रशासनिक व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने तथा जनता का विश्वास मजबूत करने के लिए भविष्य में भी इस तरह के औचक निरीक्षण नियमित रूप से जारी रहेंगे।

MRI का नाम सुनते ही क्यों डरते हैं लोग? जानिए कब जरूरी होता है MRI और कैसे बदल रही है हेल्थ डायग्नोसिस की दुनिया

आज के समय में शरीर में कोई भी दिक्कत हो—बार-बार दर्द, चोट, इंफेक्शन या अंदरूनी बीमारी—डॉक्टर अक्सर एक टेस्ट लिखते हैं... MRI. लेकिन क्या MRI हर बीमारी के लिए जरूरी है? क्या यह बहुत महंगा होता है? और क्या यह शरीर को नुकसान पहुंचाता है? इन सभी सवालों पर हमारी खास बातचीत हुई रेडियोलॉजी एक्सपर्ट डॉ. गौरव चौहान से।

डॉक्टर साहब, सबसे पहले हमें अपने सफर के बारे में बताइए। आप Radiology में कैसे आए?

डॉ. गौरव चौहान: मैंने DMC से MD Radiology किया। उसके बाद South India के दो बड़े अस्पतालों में फेलोशिप की और AIIMS New Delhi में भी काम किया। हमेशा कोशिश रही कि नई तकनीक और बेहतर डायग्नोसिस को लोगों तक पहुंचाया जाए।

आजकल डॉक्टर हर छोटी-बड़ी समस्या में MRI लिख देते हैं। पहले X-Ray होता था. अब MRI क्यों?

डॉ. गौरव चौहान: देखिए, X-Ray मुख्य रूप से हड्डियों की जानकारी देता है। लेकिन MRI हमें शरीर के अंदर की बहुत डीटेल जानकारी देता है।

अगर मसल्स, लिगामेंट, टेंडन, नसों, जोड़ों या अंदरूनी चोट की बात हो तो MRI ज्यादा सटीक तस्वीर देता है। जब बीमारी सही पकड़ में आती है, तभी इलाज भी सही होता है।

MRI सुनते ही लोग सोचते हैं—बहुत महंगा होगा। क्या यह डर सही है?

डॉ. गौरव चौहान: बिल्कुल, यह लोगों की सबसे बड़ी चिंता होती है। लेकिन हमारा मानना है कि अच्छी हेल्थकेयर हर व्यक्ति तक पहुंचनी चाहिए। इसी सोच के साथ हमने नई तकनीक वाली MRI मशीन लगाई है और कीमतें

लोगों की पहुंच में रखी हैं। हम सामान्य MRI लगभग ₹2000 और Joint MRI ₹2500 में कर रहे हैं।

लेकिन अगर कीमत कम है. तो क्या क्वालिटी में समझौता होता है?

डॉ. गौरव चौहान: बिल्कुल नहीं।

हमने Siemens की नई 1.5 Tesla MRI मशीन लगाई है। यह नई मशीन है, refurbished नहीं।

इससे स्कैन जल्दी होता है लेकिन इमेज क्वालिटी बनी रहती है। हम रिपोर्टिंग में समय देते हैं ताकि बीमारी सही तरीके से पकड़ में आए।

इतनी महंगी मशीन और कम कीमत!! यह कैसे संभव है?

डॉ. गौरव चौहान: हमारा मॉडल No Profit No Loss के आधार पर काम करता है। हम चाहते हैं कि मरीज को अच्छी क्वालिटी मिले लेकिन इलाज उसकी जेब पर भारी न पड़े।

डॉक्टर साहब, सबसे मुश्किल MRI किस बॉडी पार्ट की होती है?

डॉ. गौरव चौहान: यह बॉडी पार्ट पर नहीं, बीमारी पर निर्भर करता है। ब्रेन की बीमारी हो सकती है, ट्यूमर हो सकता है या कोई जटिल समस्या। हर केस अलग होता है।

क्या MRI करवाने से शरीर को नुकसान होता है?

डॉ. गौरव चौहान: यह बहुत बड़ा मिथ है। MRI में रेडिएशन नहीं होती। जहां -Ray और CT Scan रेडिएशन आधारित होते हैं, वहीं MRI मैग्नेटिक फील्ड पर काम करता है। इसलिए सामान्य परिस्थितियों में इसे सुरक्षित माना जाता है।

आखिर लोगों को MRI से डरना चाहिए या समझदारी से इस्तेमाल करना चाहिए?

डॉ. गौरव चौहान: डरने की जरूरत नहीं है। जरूरी यह है कि टेस्ट तभी करवाएं जब डॉक्टर सलाह दें। MRI कोई फैशन नहीं है—यह सही बीमारी को सही समय पर पहचानने का एक मजबूत माध्यम है। और सही डायग्नोसिस ही अच्छे इलाज की शुरूआत होती है।

लुधियाना टेंट डीलर्स वेलफेयर एसोसिएशन की बैठक संपन्न, 5 जुलाई को किदवई नगर में होगा वृक्षारोपण दिवस

लुधियाना/यूटर्न/25 जून। लुधियाना टेंट डीलर्स वेलफेयर एसोसिएशन की एक महत्वपूर्ण बैठक स्थानीय होटल ग्रैंड सिल्वर स्पून में वर्किंग प्रेसिडेंट जी.एस. खुराना की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक सरोकारों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई।

बैठक में विशेष तौर पर पंजाब अध्यक्ष एवं ऑल इंडिया टेंट डेकोरेटर एसोसिएशन के चेयरमैन एस.एस. मक्कड़ ने शिरकत की। इस दौरान ऑल इंडिया एसोसिएशन द्वारा हर वर्ष देशभर में चलाए जाने वाले वृक्षारोपण अभियान को लुधियाना में प्रभावी ढंग से आयोजित करने पर विचार-विमर्श किया गया।

सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि 5 जुलाई को किदवई नगर में 'ट्री प्लांटेशन डे' मनाया जाएगा, जिसके तहत बड़ी संख्या में पौधे लगाए जाएंगे। एसोसिएशन के सदस्य इस अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लेंगे और स्थानीय लोगों को भी इस हरित पहल से जोड़ेंगे।

शादी का झांसा देकर 17 वर्षीय छात्रा को ले जाने का आरोप

जीरकपुर/यूटर्न/25 जून। बलटाना क्षेत्र से 12वीं कक्षा की 17 वर्षीय छात्रा के लापता होने का मामला सामने आया है। छात्रा की मां ने एक युवक पर शादी का झांसा देकर बेटी को अपने साथ ले जाने और कहीं छिपाकर रखने का आरोप लगाया है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बलटाना के सैनी विहार फेज-4 निवासी महिला ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी बेटी सरकारी स्कूल में 12वीं कक्षा में पढ़ती है। 22 जून को दोपहर करीब तीन बजे वह बिना बताए घर से चली गई। परिवार ने आसपास और रिश्तेदारी में काफी तलाश की, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिला। महिला ने आरोप लगाया कि बाद में उसे जानकारी मिली कि करण नामक युवक उसकी नाबालिग बेटी को शादी का झांसा देकर अपने साथ ले गया है। परिवार ने पुलिस से बेटी को जल्द बरामद करने और आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। बलटाना पुलिस चौकी में शिकायत की जांच एएसआई ओंकार सिंह ने की। प्रारंभिक जांच के बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 127(6) के तहत मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार लड़की की तलाश के लिए टीमें प्रयास कर रही हैं। मामले की सूचना वरिष्ठ अधिकारियों और कंट्रोल रूम को भी भेज दी गई है। पुलिस विभिन्न पहलुओं से जांच कर रही है।

तोशाम को मिली 33.78 करोड़ की सिंचाई परियोजनाओं की सौगात

चंडीगढ़/यूटर्न/25 जून। प्रदेश की सिंचाई एवं महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रुति चौधरी के प्रयासों से भिवानी जिले, विशेषकर तोशाम क्षेत्र में सिंचाई व्यवस्था को मजबूत करने के लिए करीब 33.78 करोड़ रुपये की विभिन्न परियोजनाओं को गति मिली है। इन कार्यों से किसानों को सिंचाई सुविधाओं में सीधा लाभ मिलेगा। श्रुति चौधरी ने कहा कि सरकार किसानों के हितों के लिए प्रतिबद्ध है और लक्ष्य हर खेत तक तथा नहरों के अंतिम छोर तक पानी पहुंचाना है। इन परियोजनाओं से जल उपलब्धता बढ़ेगी और सिंचाई व्यवस्था अधिक प्रभावी बनेगी। सिंचाई विभाग के अनुसार इस राशि से विभिन्न नहरों, माइनरों, पुलों और पाइपलाइन परियोजनाओं पर कार्य किया जाएगा। इनमें आलमपुर माइनर, थिलोड़ डिस्ट्रीब्यूटरी, डाडम डिस्ट्रीब्यूटरी, डाडम हिल माइनर और झांवरी डिस्ट्रीब्यूटरी की रीमॉडलिंग शामिल है। इसके अलावा निगाना नहर व फीडर पर पुल निर्माण, हेतमपुरा माइनर की लाइनिंग, पटौदी कला तक भूमिगत आरसीसी पाइपलाइन और सिसर माइनर के जीर्णोद्धार का कार्य भी किया जाएगा। भाजपा नेताओं और जनप्रतिनिधियों ने इस फैसले के लिए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, सिंचाई मंत्री श्रुति चौधरी और पूर्व सांसद किरण चौधरी का आभार व्यक्त किया।

यूटर्न टाइम
The Good, Bad and Ugly of India

महेश दीक्षित बने इंटेलिजेंस ब्यूरो के नए निदेशक...1993 बैच के आईपीएस अधिकारी को मिली देश की प्रमुख घरेलू खुफिया एजेंसी की कमान

फुल फ्लाइट्स, लंबी कतारें...लुधियाना एयरपोर्ट बना पसंद, अब क्षमता बढ़ाने की मांग तेज

गेस्ट राइटर अभिषेक उपाध्याय

लुधियाना/यूटर्न/25 जून। नया एयरपोर्ट शुरू होते ही यात्रियों के बीच तेजी से लोकप्रिय हो गया है। महज एक महीने के भीतर यहां से उड़ानों की मांग उम्मीद से कहीं ज्यादा बढ़ चुकी है। फ्लाइट्स फुल चल रही हैं, लंबी कतारें लग रही हैं और लुधियाना ही नहीं आसपास के जिलों से भी बड़ी संख्या में लोग यहां पहुंच रहे हैं। यह स्थिति एक तरफ जहां बेहतर एयर कनेक्टिविटी की जरूरत को साबित करती है, वहीं दूसरी तरफ एयरपोर्ट की योजना और क्षमता को लेकर गंभीर सवाल भी खड़े कर रही है।

एक महीने में ही बढ़ी मांग, अब क्षमता पर उठे सवाल

लुधियाना के लिए क्यों जरूरी है मजबूत एयरपोर्ट

लुधियाना पंजाब का बड़ा औद्योगिक और कारोबारी केंद्र है। बेहतर एयर कनेक्टिविटी निवेश, व्यापार, उद्योग और पर्यटन को मजबूत करती है। अगर एयरपोर्ट अपनी क्षमता नहीं बढ़ा पाया तो एयरलाइंस नई उड़ानें जोड़ने से बचेंगी और यात्री दोबारा चंडीगढ़ या अमृतसर एयरपोर्ट का रुख कर सकते हैं।

क्या करने की जरूरत है ?

विशेषज्ञों के अनुसार प्रशासन को तुरंत–

- अगले 3 से 10 वर्षों की क्षमता का आकलन करना चाहिए
- अतिरिक्त जमीन को सुरक्षित करना चाहिए
- विमान पार्किंग और संचालन क्षमता बढ़ानी चाहिए
- चरणबद्ध विस्तार योजना जारी करनी चाहिए
- टर्मिनल और बैठने की क्षमता बढ़ानी चाहिए
- यात्रियों के लिए सुविधाओं और सड़क संपर्क को बेहतर करना चाहिए

अभी फैसला नहीं लिया तो बाद में बढ़ेगी मुश्किल

लुधियाना एयरपोर्ट की शुरूआती सफलता एक बड़ा अवसर है। लेकिन अगर समय रहते विस्तार नहीं किया गया तो यही सफलता भविष्य में अव्यवस्था और असुविधा में बदल सकती है। अब प्रशासन के सामने स्पष्ट संदेश है—मांग बढ़ रही है, इसलिए अभी योजना बनाइएङ्क वरना आने वाले समय में यही एयरपोर्ट विकास की जगह बाधा बन सकता है।

शुरूआत तो हुई, लेकिन भविष्य की तैयारी नहीं

विशेषज्ञों का मानना है कि एयरपोर्ट की योजना सिर्फ शुरूआती जरूरतों को ध्यान में रखकर बनाई गई। लेकिन एयरपोर्ट जैसे इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स को 10 से 20 साल की जरूरतों को देखते हुए विकसित किया जाता है। सीमित बैठने की व्यवस्था, कम बोर्डिंग एरिया, सीमित विमान पार्किंग और यात्रियों के लिए कम सुविधाएं आने वाले समय में बड़ी समस्या बन सकती हैं।

लुधियाना के पास अभी भी बड़ा मौका

अच्छी बात यह है कि एयरपोर्ट के आसपास अभी पर्याप्त जमीन उपलब्ध है। यानी भविष्य में विस्तार के लिए जमीन अधिग्रहण जैसी बड़ी चुनौती नहीं है। जरूरत सिर्फ इस बात की है कि प्रशासन समय रहते दूरदर्शी योजना बनाए और जल्द निवेश करे।

अभी से दिखने लगीं ये बड़ी समस्याएं

- यात्रियों के लिए बैठने और प्रतीक्षा क्षेत्र की कमी
- सीमित एयरक्राफ्ट पार्किंग और टैक्सीवे क्षमता
- चेक-इन और बैगेज सिस्टम पर बढ़ता दबाव
- खानपान, लाउंज और बेसिक सुविधाओं की कमी
- बिना मास्टर प्लान के विस्तार होने पर भविष्य में बढ़ सकता है खर्च

भगवंत मान की 'मास्क थ्योरी' पर कौन विश्वास करेगा: अनिल सरीन

भाजपा ने मुख्यमंत्री की प्रेस कॉन्फ्रेंस को किया खारिज, इस्तीफे की मांग

लुधियाना/यूटर्न/25 जून। भारतीय जनता पार्टी पंजाब के प्रदेश महामंत्री अनिल सरीन ने मुख्यमंत्री भगवंत मान की प्रेस कॉन्फ्रेंस को पूरी तरह खारिज करते हुए कहा कि पंजाब की जनता अब उनके बयानों पर भरोसा नहीं करती। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री सच छिपाने के लिए लगातार नए-नए बहाने गढ़ रहे हैं। सरीन ने कहा कि पहले संबंधित वीडियो को एआई जनरेटेड बताया गया, फिर डीपफेक कहा गया और अब आठ महीने बाद ह्लमास्क थ्योरीह्व सामने लाई जा रही है। उन्होंने सवाल उठाया कि दो दिन पहले जिन फॉरेंसिक रिपोर्टों के आधार पर सरकार के मंत्री और प्रवक्ता वीडियो को फेक बता रहे थे, वह रिपोर्ट सही थीं या अब बताई जा रही मास्क वाली कहानी? उन्होंने आरोप लगाया कि गुरुग्राम से मंगवाई गई कथित फॉरेंसिक रिपोर्टों पर पहले ही गंभीर सवाल खड़े हो चुके हैं। यदि मुख्यमंत्री को वीडियो फेक होने का पूरा भरोसा था तो आठ महीने तक किसी मान्यता प्राप्त स्वतंत्र फॉरेंसिक लैब से जांच क्यों नहीं कराई गई? सरीन ने कहा कि भगवंत मान को नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए तुरंत इस्तीफा देना चाहिए। प्रेस वार्ता में भाजपा जिला अध्यक्ष रजनीश धीमान, डॉ. कनिका जिंदल, यशपाल जनोत्रा, डॉ. सतीश कुमार, सुरेंद्र कौशल और राजन पांधे मौजूद रहे।

Maulina

विकलांग बुजुर्ग को कृत्रिम टांग लगवाने का खर्च उठाएगा एपैक्स क्लब लुधियाना

मार्मिक कहानी सुन भावुक हुए पूर्व चेयरमैन सुरिंदर अग्रवाल, हर संभव मदद का दिया भरोसा

लुधियाना/यूटर्न/25 जून। दीनानगर (गुरदासपुर) के रहने वाले 69 वर्षीय अश्विनी महाजन के जीवन संघर्ष ने समाजसेवियों को भावुक कर दिया। एपैक्स इंडिया के लाइफ गवर्नर एवं लुधियाना इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट के पूर्व चेयरमैन सुरिंदर अग्रवाल सिक्की ने उनकी स्थिति को देखते हुए उन्हें कृत्रिम टांग लगवाने का पूरा खर्च

उठाने की घोषणा की है। अश्विनी महाजन वर्तमान में बेसहारा एवं जरूरतमंद बुजुर्गों की सेवा के लिए समर्पित संस्था 'साडे बुजुर्ग साडा मान NGO' की देखरेख में चीमा चौक स्थित वृद्धाश्रम में रह रहे हैं। एक दुर्घटना में उनकी दाहिनी टांग चली गई, जिसके बाद उनका जीवन बेहद कठिन परिस्थितियों में गुजर रहा है।

डेराबस्सी पुलिस ने चंडीगढ़ मार्का अवैध शराब सहित एक व्यक्ति को किया गिरफ्तार, मामला दर्ज

डेराबस्सी/यूटर्न/25 जून। डेराबस्सी पुलिस द्वारा असामाजिक तत्वों और नशा तस्करों के खिलाफ चलाई जा रही मुहिम के तहत एक व्यक्ति को चंडीगढ़ मार्का अवैध शराब सहित गिरफ्तार किए जाने का मामला सामने आया है। मामले की जानकारी देते हुए जांच अधिकारी एएसआई दिलबाग सिंह ने बताया कि वह अपनी पुलिस टीम के साथ इलाके में गश्त और संदिग्ध व्यक्तियों की जांच के लिए मौजूद थे। इसी दौरान आबकारी विभाग के इंस्पेक्टर द्वारा एक आरोपी को पुलिस पार्टी के सामने पेश किया गया। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान बलवीर सिंह पुत्र गुलजार सिंह निवासी गांव जवाहरपुर, डेराबस्सी के रूप में हुई है। तलाशी के दौरान आरोपी के पास से 'जन्नत मस्त संतरा मसालेदार' ब्रांड की देसी शराब की 09 बोतलें बरामद हुईं, जिन पर 'फॉर सेल इन चंडीगढ़' यानी केवल चंडीगढ़ में बिक्री हेतु लिखा हुआ था। पुलिस ने शराब को कब्जे में लेकर आरोपी बलवीर सिंह को गिरफ्तार कर लिया है तथा उसके खिलाफ थाना डेराबस्सी में एक्साइज एक्ट की धारा 61-1-14 के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

पति द्वारा बेटे को दी गई जमीन मां वापस नहीं ले सकती, लेकिन भरण-पोषण का अधिकार बरकरार: हाईकोर्ट

पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट ने बुजुर्ग महिला का मासिक गुजारा भत्ता 10 हजार से बढ़ाकर 15 हजार रुपये किया

चंडीगढ़/यूटर्न/25 जून। पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में स्पष्ट किया है कि यदि किसी संपत्ति का हस्तांतरण स्वयं वरिष्ठ नागरिक ने नहीं, बल्कि उसके पति ने किया हो, तो वरिष्ठ नागरिकों का भरण-पोषण एवं कल्याण अधिनियम, 2007 की धारा-23 के तहत उस हस्तांतरण को रद्द नहीं कराया जा सकता। हालांकि अदालत ने यह भी कहा कि मृतक पति की संपत्ति से बुजुर्ग पत्नी को भरण-पोषण प्राप्त करने का वैधानिक अधिकार है।

मामला बठिंडा की एक बुजुर्ग महिला से जुड़ा है, जिसने अपने बेटे के नाम की गई 40 कनाल जमीन वापस दिलाने की मांग को लेकर हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। महिला ने अपीलीय प्राधिकरण के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें उसके बेटे के नाम हस्तांतरित जमीन वापस करने संबंधी आदेश को रद्द कर दिया गया था। मामले के अनुसार महिला के पति ने वर्ष 2011 में अपनी 118 कनाल 15 मरला कृषि भूमि अपने बेटे दविंदर सिंह के नाम कर दी थी। बाद में महिला ने आरोप लगाया कि बेटा उसकी देखभाल नहीं कर रहा है और उसने वरिष्ठ नागरिक अधिनियम की धारा-23 के तहत जमीन का हस्तांतरण रद्द करने की मांग की। मेंटेनेंस ट्रिब्यूनल ने महिला के पक्ष में फैसला सुनाते हुए बेटे को 10 हजार रुपये प्रतिमाह भरण-पोषण देने और 40 कनाल जमीन महिला के नाम करने का आदेश दिया था।

शहीद सैनिक की पत्नी के साथ फर्जी कर्नल ने किया यौन शोषण: बाद में ब्लैकमेल करके पौने 2 करोड़ रुपए ऐंठ लिए

पीड़िता ने महिला थाने में दी शिकायत

चण्डीगढ़/यूटर्न/25 जून। एक शहीद सैनिक की पत्नी ने स्वयं को भारतीय सेना का अधिकारी बताने वाले एक व्यक्ति और उसके परिवार के खिलाफ यौन शोषण व करोड़ो रुपए की ठगी गंभीर आरोप लगाते हुए वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को विस्तृत शिकायत सौंपकर कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

शहीद सैनिक की पत्नी प्रगति बाजपेई ने आज यहां चण्डीगढ़ प्रेस क्लब में आयोजित एक पत्रकार वार्ता में खुलासा किया कि उनके पति एलएन द्विवेदी वर्ष 2022 में राजस्थान के सूरतगढ़ में ड्यूटी के दौरान एक रिहर्सल करते हुए शहीद हो गए थे। उनकी शहादत के बाद राहुल आर्य नामक व्यक्ति ने स्वयं को उनके शहीद पति का अच्छा जानकार कहकर परिचय दिया तथा भारतीय सेना में कर्नल पद पर कार्यरत बताते हुए उनका विश्वास जीता व उनके सैनिक पति का अटका हुआ डेथ क्लेम दिलाने का आश्वासन दिया।

दिसम्बर में पंचकूला निवासी राहुल आर्य ने कानपुर निवासी प्रगति बाजपेई को उनका काम कराने के सिलसिले बुलाया व इसके लिए बाकायदा एयर टिकट्स भी करवा दीं और रास्ते भर में कैब आदि का खर्चा भी उठाया।

बरसात से पहले ड्रेनेज पाइपलाइन पर विवाद, लोगों ने काम रुकवाया

डेराबस्सी/यूटर्न/25 जून। बरसात के मौसम से पहले बरवाला रोड स्थित गुरबख्श कॉलोनी और शिवपुरी कॉलोनी में वर्षा जल निकासी के लिए बिछाई जा रही पाइपलाइन को लेकर विवाद गहरा गया है। वार्ड नंबर-6 के लोगों ने परियोजना के मौजूदा स्वरूप पर सवाल उठाते हुए विरोध किया और मौके पर चल रहा काम रुकवा दिया। लोगों का आरोप है कि बिना ठोस योजना और तकनीकी अध्ययन के पाइपलाइन बिछाई जा रही है, जिससे भविष्य में जलभराव की समस्या कम होने के बजाय और बढ़ सकती है।

विरोध की सूचना पर वार्ड-6 के पार्षद मनीष सैनी भी मौके पर पहुंचे। उनके साथ रणधीर सैनी, राकेश सैनी, संजय, तिलकराज, रोहित शर्मा और हैप्पी सहित कई वार्डवासियों ने आरोप लगाया कि ठेकेदार द्वारा कार्य निर्धारित तकनीकी मानकों के अनुसार नहीं किया जा रहा। उन्होंने नगर परिषद प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच और स्थायी समाधान की मांग की। पार्षद मनीष सैनी ने कहा कि गुरबख्श कॉलोनी और शिवपुरी कॉलोनी लंबे समय से जलभराव की समस्या झेल रही हैं। हर बरसात में पानी लोगों के घरों तक पहुंच जाता है। इस बारे में नगर परिषद के कार्यकारी अधिकारी और संबंधित विभागों को कई बार अवगत कराया जा चुका है, लेकिन स्थायी समाधान नहीं हो पाया। स्थानीय लोगों का कहना है कि पीछे स्थित आवासीय सोसायटियों का वर्षा जल भी इसी निकासी चैंबर में डालने की तैयारी है, जबकि आगे मुख्य बरसाती नाले तक पानी निकालने की पर्याप्त व्यवस्था नहीं है। लोगों ने मांग की कि पहले सड़क के नीचे से पाइपलाइन को सीधे मुख्य बरसाती नाले से जोड़ा जाए, ताकि पानी की निकासी बिना रुकावट हो सके। इस बीच नगर कौंसिल के कार्यकारी अधिकारी रवनीत सिंह ने मौके का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों को गुणवत्ता और समयबद्ध तरीके से काम पूरा करने के निर्देश दिए।

सुखना चो में मेडिकल वेस्ट फेंकने के आरोप, स्वास्थ्य विभाग ने पुलिस को लिखा पत्र

जीरकपुर/यूटर्न/25 जून। सुखना चो क्षेत्र में कथित तौर पर मेडिकल वेस्ट और अन्य कचरा फेंके जाने का मामला तूल पकड़ने लगा है। सोशल मीडिया और विभिन्न मीडिया प्लेटफॉर्म पर वीडियो सामने आने के बाद स्वास्थ्य विभाग भी हरकत में आ गया है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) ढकोली के वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी ने ढकोली थाना पुलिस को पत्र लिखकर पूरे मामले की जांच कराने और दोषियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है। स्वास्थ्य विभाग की ओर से भेजे गए पत्र में बताया गया है कि 22 और 23 जून को वायरल हुए वीडियो में कुछ लोग सुखना चो क्षेत्र में कथित रूप से बायोमेडिकल वेस्ट और अन्य कचरा फेंकते दिखाई दे रहे हैं। वीडियो में एक काले रंग की किया सेल्टोस (सीएच-01-सीओ-2281) और एक सफेद रंग की इनोवा भी नजर आ रही है। विभाग ने पुलिस से दोनों वाहनों और उनमें मौजूद लोगों की पहचान कर कार्रवाई करने का आग्रह किया है। स्वास्थ्य अधिकारियों का कहना है कि बायोमेडिकल वेस्ट का खुले में निपटान पर्यावरण के साथ-साथ जनस्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा है। इससे संक्रमण फैलने, जल स्रोतों के दूषित होने और आसपास के क्षेत्र में स्वास्थ्य संबंधी जोखिम बढ़ने की आशंका रहती है। पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि इससे पहले भी इसी स्थान पर मेडिकल वेस्ट मिलने की शिकायत सामने आई थी। उस समय स्वास्थ्य विभाग ने मौके से कचरा उठवाकर वैज्ञानिक तरीके से उसका निपटान कराया था। बावजूद इसके दोबारा ऐसी घटना सामने आने से विभाग ने चिंता जताई है। स्वास्थ्य विभाग ने पुलिस से पर्यावरण संरक्षण अधिनियम-1986 तथा बायोमेडिकल वेस्ट प्रबंधन नियमों के तहत मामला दर्ज कर आवश्यक कार्रवाई करने की मांग की है। मामले के बाद स्थानीय लोगों ने भी दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग उठाई है। उनका कहना है कि यदि समय रहते ऐसे मामलों पर रोक नहीं लगाई गई तो पर्यावरण और लोगों के स्वास्थ्य पर गंभीर दुष्प्रभाव पड़ सकते हैं।

एशियन कुश्ती चैंपियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व करेगा के. वी. का छात्र राजवीर सिंह

जीरकपुर/यूटर्न/25 जून। पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय, वायु सेना स्टेशन हाई ग्राउंड्स, चंडीगढ़ के होनहार छात्र और उभरते हुए पहलवान राजवीर सिंह का चयन भारतीय कुश्ती टीम के लिए हुआ है। राजवीर सिंह 25 जून से 5 जुलाई 2026 तक थाईलैंड में आयोजित होने वाली एशियन कुश्ती चैंपियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व करेगा। उल्लेखनीय है कि राजवीर सिंह भारतीय टीम का एकमात्र पहलवान है, जिसे इस प्रतियोगिता में देश का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिला है। उसकी इस उपलब्धि से स्कूल, शहर और देश का नाम रोशन हुआ है। इस अवसर पर स्कूल के प्रिंसिपल गुरप्रीत सिंह ने राजवीर सिंह को इस शानदार उपलब्धि के लिए बधाई देते हुए कहा कि राजवीर अंतरराष्ट्रीय मंच पर शानदार प्रदर्शन कर भारत का गौरव बढ़ाएगा। उन्होंने कहा कि इस सफलता के पीछे राजवीर की कड़ी मेहनत के साथ-साथ उसके माता-पिता और कोच के मार्गदर्शन का भी महत्वपूर्ण योगदान है। इस मौके पर स्कूल के अध्यापकों, अभिभावकों और विद्यार्थियों ने राजवीर सिंह को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी और एशियन कुश्ती चैंपियनशिप में उसकी सफलता के लिए शुभकामनाएं दीं।

यूटर्न टाइम

The Good, Bad and Ugly of India

पेज 12 कनाडा का पहली बार बड़ा खुलासा, कहा - जून...

सीबीआई ने डिजिटल अरेस्ट स्कैम मामलों में पंजाब, हरियाणा और 14 अन्य राज्यों में छापेमारी की

चंडीगढ़/यूटर्न/25 जून। डिजिटल अरेस्ट स्कैम को बढ़ावा देने वाले साइबर क्राइम नेटवर्क के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई करते हुए, सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (सीबीआई) ने 16 राज्यों - पंजाब, गुजरात, दिल्ली, महाराष्ट्र, हरियाणा, तमिलनाडु, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, असम, पश्चिम बंगाल, मणिपुर, कर्नाटक और ओडिशा में 80 से ज्यादा जगहों पर एक साथ छापेमारी की। ये छापेमारी एक चल रही जांच का हिस्सा थी, जिसका मकसद डिजिटल अरेस्ट स्कैम के 200 से ज्यादा मामलों में शामिल एक नेटवर्क को खत्म करना था। साथ ही, शेल कंपनियां बनाने और म्यूल बैंक अकाउंट (धोखाधड़ी के लिए इस्तेमाल होने वाले अकाउंट) खोलने और चलाने में कथित तौर पर शामिल होने के आरोप में चेन्नई और कोलकाता से दो लोगों को गिरफ्तार किया गया। खबरों के मुताबिक, इन अकाउंट्स का इस्तेमाल अपराध से जुड़ी लगभग 2 करोड़ रुपये की संदिग्ध रकम को ठिकाने लगाने (मनी लॉन्ड्रिंग) के लिए किया गया था।

फर्जी वेबसाइट का पता लगाया

सीबीआई ने हाल ही में एक फर्जी वेबसाइट का पता लगाया था, जिसका यूआरएल सुप्रीम कोर्ट की आधिकारिक वेबसाइट जैसा ही था। आरोप है कि धोखेबाजों ने इस फर्जी डोमेन का इस्तेमाल डिजिटल अरेस्ट के नाम पर लोगों को ठगने के लिए किया था। सुप्रीम कोर्ट की रजिस्ट्री से मिली शिकायत के आधार पर, सीबीआई ने ऋफ़दर्ज की और जांच शुरू की।

सीबीआई ने अहम हिस्सों की पहचान की

- एडवांस्ड फोरेंसिक टूल्स और तकनीकी जानकारी का इस्तेमाल करते हुए, सीबीआई ने भारत और विदेशों में चल रहे इस आपराधिक नेटवर्क के अहम हिस्सों की पहचान की। जांच से पता चला है कि अपराधियों ने अपनी धोखाधड़ी वाली गतिविधियों को असली दिखाने के लिए नकली और मनगढ़ंत दस्तावेज अपलोड किए थे, जिनमें अदालतों और अलग-अलग कानून लागू करने वाली एजेंसियों द्वारा जारी किए गए आदेशों जैसे दिखने वाले नकली आदेश भी शामिल थे।

कई सबूत किए जब्त

- छापेमारी के दौरान कई अहम दस्तावेज, डिजिटल डिवाइस, मोबाइल फोन और बैंक ट्रांजेक्शन से जुड़े रिकॉर्ड जब्त किए गए। अधिकारियों ने बताया कि इन चीजों की बारीकी से फोरेंसिक जांच और विश्लेषण किया जा रहा है। सीबीआई को ऐसे सबूत भी मिले हैं जिनसे पता चलता है कि भारतीय नागरिकों के अलावा, कई अन्य देशों के नागरिकों को भी इसी नेटवर्क ने ठगा हो सकता है। सीबीआई सूत्रों ने बताया कि संबंधित देशों की कानून लागू करने वाली एजेंसियों को सही माध्यमों से सूचित किया जा रहा है और मामले की जांच अभी भी जारी है।

हल्लोमाजरा के राजकीय हाई स्कूल को सीनियर सेकेंडरी स्कूल बनाने की मांग, शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को सौंपा ज्ञापन

चंडीगढ़/यूटर्न/25 जून। हल्लोमाजरा स्थित राजकीय हाई स्कूल को सीनियर सेकेंडरी स्कूल (12वीं तक) में अपग्रेड करने की मांग को लेकर भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष अभय झा ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में विद्यालय को सीनियर सेकेंडरी स्तर तक उन्नत करने के साथ-साथ अतिरिक्त कक्षाओं के निर्माण, खेल मैदान के विकास और आधुनिक शैक्षणिक सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग उठाई गई।

अभय झा ने शिक्षा मंत्री को बताया कि हल्लोमाजरा क्षेत्र के विद्यार्थियों और अभिभावकों की यह लंबे समय से लंबित मांग है, जिस पर शीघ्र ध्यान दिए जाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में विद्यार्थियों को 10वीं के बाद आगे की पढ़ाई के लिए अन्य क्षेत्रों के स्कूलों पर निर्भर रहना पड़ता है, जिससे उन्हें विभिन्न प्रकार की परेशानियों का सामना करना पड़ता है। ऐसे में स्कूल को सीनियर सेकेंडरी स्तर तक अपग्रेड किया जाना क्षेत्र के विद्यार्थियों के हित में होगा। अभय झा ने कहा कि विद्यालय में बेहतर आधारभूत ढांचे, आधुनिक शिक्षण संसाधनों और खेल सुविधाओं के विकास से विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करने में मदद मिलेगी। इससे क्षेत्र की शिक्षा व्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के समक्ष यह मांग प्रमुखता से रखते हुए क्षेत्र के विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य और बेहतर शैक्षणिक अवसरों की आवश्यकता पर जोर दिया गया।

दिल्ली साइकिल टेंडर...माटा स्पोर्ट्स के बाद अब हीरो इकोटेक की भागीदारी पर उठे सवाल, क्या रद्द होगा टेंडर?

लुधियाना/यूटर्न/25 जून। दिल्ली सरकार के शिक्षा विभाग के करीब 90 करोड़ रुपये के साइकिल टेंडर ने लुधियाना की साइकिल इंडस्ट्री में नई बहस छेड़ दी है। एक लाख 30 हजार साइकिलों की आपूर्ति से जुड़े इस बड़े सरकारी टेंडर में जहां माटा स्पोर्ट्स करीब 90.44 करोड़ रुपये की बोली के साथ पहले स्थान पर रही, वहीं देश की अनुभवी साइकिल निर्माता कंपनियों में शामिल हीरो इकोटेक दूसरे और एवन साइकिल तीसरे स्थान पर रही। हलांकि माटा स्पोर्ट्स पर टेंडर में गलत जानकारी के जरिए गुमराह करने के इलावा टेंडर प्रक्रिया, तकनीकी पात्रता, उत्पादन क्षमता और गुणवत्ता निगरानी को लेकर कई सवाल खड़े हो गए हैं।

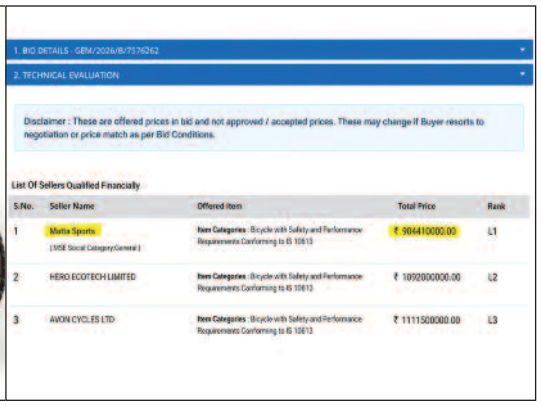

1. BID DETAILS - GEM/2026/B/7576262

2. TECHNICAL EVALUATION

Disclaimer : These are offered prices in bid and not approved / accepted prices. These may change if Buyer resorts to negotiation or price match as per Bid Conditions.

List Of Sellers Qualified Financially

S.No.	Seller Name	Offered Item	Total Price	Rank
1	Matta Sports (MSE Social Category:General)	Item Categories : Bicycle with Safety and Performance Requirements Conforming to IS 10613	₹ 904410000.00	L1
2	HERO ECOTECH LIMITED	Item Categories : Bicycle with Safety and Performance Requirements Conforming to IS 10613	₹ 1092000000.00	L2
3	AVON CYCLES LTD	Item Categories : Bicycle with Safety and Performance Requirements Conforming to IS 10613	₹ 1111500000.00	L3

चाईनीज साईकिल सप्लाई होने की आशंका

उद्योग से जुड़े लोगों का कहना है कि सरकारी खरीद में कम दर निश्चित रूप से महत्वपूर्ण है, लेकिन बड़े पैमाने की आपूर्ति में केवल कम बोली को आधार बनाना पर्याप्त नहीं माना जा सकता। विभाग को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि चयनित फर्म के पास वास्तविक उत्पादन क्षमता, मजबूत आपूर्ति श्रृंखला और गुणवत्ता मानकों को पूरा करने की पूरी व्यवस्था हो। कई वर्ष पहले बड़ी कंपनियों ने टेंडरों में चायनीज साईकिल सप्लाई होने के खुलासे किए थे।

स्पोर्ट्स गुड्स डीलर के एल-1 बनने से छिड़ा विवाद

जानकारी के अनुसार, यह टेंडर सरकारी ई-मार्केट पोर्टल के माध्यम से निकाला गया था। टेंडर में साइकिलों की आपूर्ति भारतीय मानक के अनुरूप किए जाने की शर्त रखी गई थी। इतनी बड़ी मात्रा में साइकिल सप्लाई के लिए उत्पादन क्षमता, अनुभव, वित्तीय मजबूती, गुणवत्ता नियंत्रण और समयबद्ध डिलीवरी अहम मापदंड माने जाते हैं। ऐसे में एक स्पोर्ट्स गुड्स डीलर के तौर पर चर्चित माटा स्पोर्ट्स के पहले स्थान पर आने से देश की साइकिल उद्योग में चर्चा तेज हो गई है।

हीरो इकोटेक की सरकारी टेंडरों में भागीदारी पर सवाल

इस टेंडर में हीरो इकोटेक की भागीदारी को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। उद्योग जगत में चर्चा है कि हीरो इकोटेक की सहयोगी कंपनी मानी जाने वाली हीरो इलेक्ट्रिक वाहिकल्स प्राइवेट लिमिटेड राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण की प्रक्रिया में है। ऐसे में यह सवाल उठाया जा रहा है कि क्या सरकारी विभाग ने बोली लगाने वाली कंपनियों से उनकी सहयोगी कंपनियों, समान प्रबंधन, वित्तीय देनदारियों, दिवाला प्रक्रिया, जांच या प्रतिबंध संबंधी सभी घोषणाएं ली थीं। कानूनी जानकारों का कहना है कि किसी एक समूह कंपनी की इन्सॉल्वेंसी प्रक्रिया से दूसरी अलग कानूनी इकाई अपने-आप अयोग्य नहीं हो जाती। लेकिन यदि टेंडर की विशेष शर्तों में सहयोगी कंपनी, समान प्रवर्तक, दिवाला, धोखाधड़ी जांच, प्रतिबंध या सरकारी देनदारी से संबंधित कोई प्रावधान है, तो विभाग को इस पर स्पष्ट जांच और लिखित स्पष्टीकरण लेना चाहिए। यदि किसी बोलीदाता की पात्रता ऐसे कारणों से प्रभावित होती है और पर्याप्त पात्र बोलीदाता नहीं बचते, तो पूरी टेंडर प्रक्रिया पर भी सवाल उठ सकते हैं। अब उद्योग जगत की मांग है कि दिल्ली सरकार और संबंधित खरीद एजेंसी इस टेंडर की तकनीकी जांच, बोलीदाताओं की पात्रता, उत्पादन क्षमता और गुणवत्ता निगरानी से जुड़े तथ्यों को सार्वजनिक करे। मामला केवल 90 करोड़ रुपये के टेंडर का नहीं, बल्कि सरकारी खरीद में पारदर्शिता, निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा और उद्योग के भरोसे से जुड़ा बन गया है।

निर्जला एकादशी पर सेक्टर-16डी मंदिर में मीठे जल की छबील, श्रद्धालुओं को वितरित किए खरबूजे

चंडीगढ़। निर्जला एकादशी के पावन अवसर पर श्री सनातन धर्म शक्ति दल मंदिर, सेक्टर-16डी द्वारा मंदिर के मुख्य द्वार के सामने मीठे जल की छबील का आयोजन किया गया। इस धार्मिक सेवा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया और प्रसाद ग्रहण कर आशीर्वाद प्राप्त किया। मंदिर प्रबंधन समिति द्वारा आयोजित छबील सुबह 6 बजे से शाम 5 बजे तक चली, जिसमें राहगीरों और श्रद्धालुओं को मीठा शीतल जल वितरित किया गया। भीषण गर्मी को देखते हुए समिति की ओर से खरबूजे भी वितरित किए गए, जिससे लोगों को राहत मिली।

मंदिर परिसर में पूरे दिन श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी रही। आसपास के क्षेत्रों से पहुंचे श्रद्धालुओं ने भगवान का आशीर्वाद प्राप्त किया और धार्मिक कार्यक्रम में भाग लिया। मंदिर प्रबंधन समिति के सदस्यों ने बताया कि निर्जला एकादशी का हिंदू धर्म में विशेष महत्व है। इस अवसर पर सेवा और दान-पुण्य के कार्यों को विशेष रूप से किया जाता है। उन्होंने कहा कि समिति समय-समय पर मंदिर में धार्मिक, सामाजिक एवं जनकल्याणकारी कार्यक्रमों का आयोजन करती रहती है। श्रद्धालुओं ने मंदिर प्रबंधन समिति की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन धार्मिक आस्था के साथ-साथ समाज सेवा का भी संदेश देते हैं।

रूह से रूबरू

चारू नागपाल

कितनी विद्वशा और कितने केतन जबरदस्ती के रिश्ते निभाने के चक्कर में मर जाएंगे?

हमारे समाज में आज भी कई रिश्ते प्रेम, समझ और सम्मान की जगह सामाजिक दबाव, परिवार की अपेक्षाओं और लोक-लाज के आधार पर निभाए जाते हैं। ऐसे ही रिश्तों में फंसे हुए अनेक ट्विशा और केतन अपनी खुशियों, सपनों और मानसिक शांति की कीमत चुकाते रहते हैं। जब किसी रिश्ते में संवाद खत्म हो जाए, सम्मान न बचे और दोनों व्यक्ति केवल समाज को दिखाने के लिए साथ रहें, तो वह रिश्ता धीरे-धीरे एक बोझ बन जाता है। बाहर से सब कुछ सामान्य दिखाई देता है, लेकिन भीतर ही भीतर व्यक्ति टूटता रहता है। मानसिक तनाव, अवसाद और आत्मविश्वास की कमी ऐसे संबंधों की आम देन हैं। दुखद बात यह है कि कई लोग यह मान लेते हैं कि समझौता ही जीवन का दूसरा नाम है। वे अपनी पीड़ा को छिपाकर वर्षों तक ऐसे रिश्ते ढोते रहते हैं। परिणामस्वरूप उनका व्यक्तित्व, स्वास्थ्य और जीवन की ऊर्जा प्रभावित होती है।

समय की मांग है कि रिश्तों को केवल निभाने के लिए नहीं, बल्कि जीने के लिए बनाया जाए। यदि किसी संबंध में सम्मान, विश्वास और खुशी नहीं है, तो उस पर ईमानदारी से विचार करना आवश्यक है। आखिर सवाल यह है कि कितनी ट्विशा और कितने केतन केवल जबरदस्ती के रिश्ते निभाने के चक्कर में अपनी जिंदगी गवांते रहेंगे?

कानूनी बात - निशांत प्रभाकर के साथ

क्या तलाक के बाद पत्नी अपना पुराना नाम (Maiden Name) फिर से अपना सकती है?

निशांत प्रभाकर, एडवोकेट

तलाक के बाद कई महिलाओं के मन में यह प्रश्न आता है कि क्या वे अपना पुराना नाम या उपनाम (Surname) दोबारा अपना सकती हैं। कानून के अनुसार, किसी महिला को तलाक के बाद अपना Maiden Name पुनः अपनाने का अधिकार है। इसके लिए उसे पूर्व पति की अनुमति लेने की आवश्यकता नहीं होती। यदि विवाह के बाद महिला ने अपने दस्तावेजों में नाम या उपनाम बदल लिया था, तो तलाक के बाद वह आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करके उसे पुनः बदल सकती है।

इस प्रक्रिया में परिस्थितियों के अनुसार Affidavit, Gazette Notification, और विभिन्न सरकारी व वित्तीय रिकॉर्ड में संशोधन की आवश्यकता पड़ सकती है। पासपोर्ट, आधार, पैन कार्ड, बैंक खाते, बीमा पॉलिसी और अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेजों में भी नाम अपडेट करवाना आवश्यक हो सकता है।

हालांकि, केवल तलाक हो जाने से सभी दस्तावेजों में नाम अपने आप नहीं बदलता। संबंधित विभागों के समक्ष अलग-अलग आवेदन करने पड़ सकते हैं। कई लोग यह मान लेते हैं कि तलाक के बाद महिला को पूर्व पति का उपनाम रखना ही होगा या उसे बदलने के लिए विशेष अनुमति चाहिए, जबकि ऐसा नहीं है।

निष्कर्षः तलाक के बाद महिला अपने पुराने नाम या उपनाम को पुनः अपना सकती है। यह उसका व्यक्तिगत और कानूनी अधिकार है, जिसके लिए निर्धारित प्रक्रिया का पालन करना आवश्यक होता है।

निर्जला एकादशी पर मनीमाजरा में जगह-जगह लगी मीठे पानी की छबीलें, श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर किया सेवा कार्य

राजबीर सिंह भारतीय बोले धार्मिक आयोजनों के साथ समाज सेवा की भावना हमारी संस्कृति की पहचान

चंडीगढ़/यूटर्न/25 जून। निर्जला एकादशी के पावन अवसर पर मनीमाजरा और सेक्टर-13 क्षेत्र में धार्मिक आस्था, सेवा और सामाजिक एकता का अनूठा संगम देखने को मिला। इस अवसर पर विभिन्न मंदिरों, सार्वजनिक स्थलों और प्रमुख चौकों पर मीठे पानी की छबीलें लगाई गईं, जहां श्रद्धालुओं और राहगीरों को ठंडा मीठा जल तथा प्रसाद वितरित किया गया।

सुबह से शुरू हुए सेवा कार्य देर दोपहर तक जारी रहे। विभिन्न स्थानों पर आयोजित छबीलों में बड़ी संख्या में लोगों ने पहुंचकर ठंडा मीठा जल, जलजीरा, हलवा, छोले, बिस्कुट, खरबूजा तथा छोले-कुलचे सहित अन्य प्रसाद ग्रहण किया। भीषण गर्मी के बीच इन सेवा शिविरों ने लोगों को राहत प्रदान की। मनीमाजरा स्थित विश्वकर्मा मंदिर परिसर में मंदिर कमेटी की ओर से विशेष आयोजन किया गया।

सेक्टर-44 आर्मी फ्लैट्स के बच्चों ने लगाई छबील, राहगीरों को पिलाया ठंडा मीठा पानी

चंडीगढ़/यूटर्न/25 जून। सेक्टर-44 में भीषण गर्मी के बीच सेक्टर-44 स्थित आर्मी फ्लैट्स के बच्चों ने मानवता और सेवा भाव का परिचय देते हुए छबील लगाकर राहगीरों को ठंडा एवं मीठा पानी पिलाया।

इस नेक कार्य में नमन, करण, स्पर्श, पीयूष, बानी, खुशी, वंशिका, पूजा, तन्वी, पायल, नीतू, तान्या, मोहित, विशाग, सुप्रीम और राज ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। इस अवसर पर पुनीत ने बताया कि छबील का धार्मिक, सामाजिक और वैज्ञानिक दृष्टिकोण से अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान है। यह सेवा निष्काम भाव, मानवता और परोपकार का प्रतीक मानी जाती है। चिलचिलाती धूप और भीषण गर्मी में प्यास से व्याकुल राहगीरों को ठंडा पानी या मीठा शर्बत पिलाना सबसे बड़े पुण्य कार्यों में से एक माना जाता है।

निर्जला एकादशी पर दंडी स्वामी मंदिर में मीठे जल की छबील

लुधियाना/यूटर्न/25 जून। श्री सिद्ध पीठ श्री दंडी स्वामी मंदिर, सिविल लाइंस में निर्जला एकादशी के अवसर पर वीरवार को विशाल मीठे जल की छबील लगाई गई।

श्री दंडी स्वामी महाराज की कृपा और पंडित जगदीश चंद्र कोमल के मार्गदर्शन में आयोजित इस सेवा का शुभारंभ सुबह 9 बजे भोग अर्पित करने के बाद किया गया। मंदिर के वरिष्ठ सेवादार पंडित राज कुमार शर्मा की अध्यक्षता में चली इस छबील में हजारों राहगीरों और श्रद्धालुओं ने ठंडे मीठे जल व शरबत का प्रसाद ग्रहण किया। भीषण गर्मी के बीच यह सेवा रात 9:30 बजे तक लगातार जारी रही। सेवादारों ने श्रद्धा और प्रेम भाव से लोगों को जल वितरित कर मानव सेवा का संदेश दिया।

निर्जला एकादशी के मौके पर अग्रवाल परिवार की ओर से छबील और अटूट लंगर का आयोजन

जीरकपुर/यूटर्न/25 जून। निर्जला एकादशी के पवित्र अवसर पर जीरकपुर के समाजसेवी अग्रवाल परिवार की ओर से श्रद्धा और सेवा भावना के साथ ठंडे मीठे जल की छबील और अटूट लंगर का आयोजन किया गया। यह सेवा जीरकपुर-अंबाला रोड पर स्थित होटल मैरीलैंड के पास लगाई गई, जहां राहगीरों, वाहन चालकों और स्थानीय लोगों ने बड़ी संख्या में छबील और लंगर का प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम की शुरूआत विजय अग्रवाल और पूरे परिवार की ओर से सर्वजन की भलाई के लिए अरदास के साथ की गई। इसके बाद परिवार के सदस्यों ने संगतों को ठंडा मीठा जल और लंगर वितरित करने की सेवा निभाई।

सर्विस लेन बनी भारी वाहनों की पार्किंग, हादसों का खतरा बढ़ा, लोगों ने चालान और टोइंग कार्रवाई की उठाई मांग

मिलन

लुधियाना/यूटर्न/25 जून। स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत विकसित किए गए सलेम टाबरी क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग से सटी सर्विस लेन अब भारी वाहनों की पार्किंग का रूप धारण करती जा रही है। सड़क किनारे लंबे समय से खड़े ट्रक, मालवाहक वाहन और अन्य कमर्शियल वाहन राहगीरों तथा वाहन चालकों के लिए परेशानी का कारण बन रहे हैं। कई स्थानों पर भारी वाहन सड़क के कटों और यू-टर्न के समीप खड़े किए जा रहे हैं, जिससे यातायात प्रभावित होने के साथ-साथ दुर्घटनाओं का खतरा भी बढ़ गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि स्मार्ट सिटी के तहत क्षेत्र में सौंदर्यीकरण, नई स्ट्रीट लाइटें और अन्य सुविधाएं तो विकसित की गई हैं, लेकिन सर्विस लेन पर लगातार खड़े रहने वाले भारी वाहनों के कारण पूरी व्यवस्था प्रभावित हो रही है। लोगों के अनुसार अब यह सर्विस लेन धीरे-धीरे स्थायी पार्किंग स्थल में तब्दील होती जा रही है और दिन के अधिकांश समय यहां ट्रक और अन्य बड़े वाहन खड़े दिखाई देते हैं।

क्रॉसिंग के पास खड़े रहते है वाहन

क्षेत्रवासियों के अनुसार कई भारी वाहन हाईवे के कट और मोड़ के पास भी खड़े कर दिए जाते हैं, जिससे सामने से आने वाले वाहनों की दृश्यता प्रभावित होती है और दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है। उनका कहना है कि सड़क किनारे खड़े वाहनों के कारण दोपहिया चालकों और अन्य वाहन चालकों को अचानक रास्ता बदलना पड़ता है, जिससे हादसे की आशंका बढ़ जाती है। रात के समय यह समस्या और भी गंभीर हो जाती है।

बार बार की जा रही शिकायतें

स्थानीय लोगों का यह भी आरोप है कि बार-बार शिकायतों के बावजूद ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने वाले ऐसे वाहनों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई नहीं की जा रही। लोगों का कहना है कि ट्रैफिक पुलिस की ओर से सख्ती नहीं होने के कारण वाहन चालक बेखौफ होकर सर्विस लेन को पार्किंग स्थल के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं। इसके साथ ही उन्होंने ट्रैफिक पुलिस और जिला प्रशासन से मांग की है कि सर्विस लेन को अवैध पार्किंग से मुक्त कराने के लिए विशेष अभियान चलाया जाए। लोगों ने मांग की है कि इन रॉन्ग साइड खड़े वाहनों के चालान करना जरुरी है। ताकि भविष्य में किसी बड़े हादसे से बचा जा सके।

पंजाब सरकार से मांग लुधियाना में भी हो भव्य शिव भजन संध्या का आयोजन: राजेश जैन बॉबी

लुधियाना/यूटर्न/25 जून। सभी सनातनी भाइयों द्वारा एक विशेष बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं और समाज के गणमान्य लोगों ने भाग लिया तथा धार्मिक गतिविधियों को बढ़ावा देने संबंधी विचार-विमर्श किया गया। बैठक को संबोधित करते हुए पंजाब माइनॉरिटी कमीशन मेंबर युवा रत्न राजेश जैन बॉबी ने कहा कि पंजाब के विभिन्न शहरों में समय-समय पर भव्य शिव भजन संध्या का आयोजन किया जा रहा है, जिससे श्रद्धालुओं में धार्मिक आस्था और उत्साह का संचार हो रहा है। उन्होंने कहा कि यदि ऐसी भव्य शिव भजन संध्या का आयोजन लुधियाना में भी किया जाए तो यह शहर के सभी सनातनी भाइयों और भगवान शिव के भक्तों के लिए अत्यंत हर्ष और गौरव की बात होगी। उन्होंने पंजाब सरकार और मुख्यमंत्री से मांग करते हुए कहा कि जिस प्रकार अन्य शहरों में धार्मिक आयोजनों को प्रोत्साहन दिया जा रहा है, उसी प्रकार लुधियाना में भी विशाल शिव भजन संध्या का आयोजन करवाया जाए, ताकि शहर के श्रद्धालु भी इस आध्यात्मिक माहौल का लाभ उठा सकें। बैठक में उपस्थित सभी सनातनी भाइयों ने एक स्वर में लुधियाना में भव्य धार्मिक आयोजन करवाने की मांग का समर्थन किया और कहा कि ऐसे कार्यक्रम समाज में भाईचारे, सद्भावना और धार्मिक जागरूकता को मजबूत करने का कार्य करते हैं।

लीजर वैली की बदहाली पर पवन दीवान ने नगर निगम को घेरा

लुधियाना/यूटर्न/25 जून। जिला कांग्रेस कमेटी लुधियाना शहरी के पूर्व अध्यक्ष एवं पंजाब लार्ज इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट बोर्ड के पूर्व चेयरमैन पवन दीवान ने सराभा नगर स्थित जोन-डी के पीछे लीजर वैली में चल रहे नहरी पानी सप्लाई प्रोजेक्ट के काम पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने नगर निगम अधिकारियों से मांग की कि पाइपलाइन बिछाने का काम तुरंत रोका जाए और इसे हरियाली वाले क्षेत्र की बजाय सड़क किनारे शिफ्ट किया जाए।

दीवान ने कहा कि लीजर वैली शहर के लोगों, खासकर सुबह-शाम सैर करने वालों के लिए अहम स्थान है, लेकिन गलत प्लानिंग के कारण इसे खोदकर बर्बाद किया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि पाइपलाइन बिछाने के नाम पर पेड़ों और वॉकवे को नुकसान पहुंचाया गया है, जबकि अन्य इलाकों में इसी तरह की पाइपलाइनें सड़क किनारे डाली जा रही हैं।

उन्होंने कहा कि जोन-डी कार्यालय के सामने 600 मीटर लंबी सड़क भी कई महीनों से टूटी पड़ी है, लेकिन सरकार का विकास केवल होडिंर्गो तक सीमित दिखाई देता है। दीवान ने नगर निगम आयुक्त ओजस्वी अलंकार से मौके का निरीक्षण कर तुरंत सुधारात्मक कदम उठाने की मांग की।

रेलवे स्टेशन और लाइनों पर मोबाइल चोरी करने वाला चोर गिरफ्तार, 7 मोबाइल बरामद

लुधियाना/यूटर्न/25 जून। रेलवे स्टेशन, रेलवे लाइनों और आसपास के क्षेत्रों में मोबाइल चोरी करने वाले एक चोर को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। उसके कब्जे से 7 चोरीशुदा मोबाइल फोन बरामद किए हैं। गिरफ्तार आरोपी की पहचान जमालपुर के रहने वाले शिव कुमार उर्फ शिब्बू के रूप में हुई है। यह कार्रवाई एडीसीपी समीर वर्मा और एसीपी सेंट्रल अनिल कुमार भनोट के नेतृत्व में थाना डिवीजन नंबर-1 की टीम द्वारा रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के साथ संयुक्त रूप से की गई। अभियान के दौरान पुलिस ने आरोपी की गतिविधियों पर नजर रखते हुए उसे काबू किया। पुलिस ने उसे 22 जून को 4 चोरीशुदा मोबाइल फोन सहित गिरफ्तार किया था। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि आरोपी रेलवे स्टेशन लुधियाना, रेलवे लाइनों और घंटाघर क्षेत्र में मोबाइल चोरी की कई वारदातों में शामिल रहा है। इस संबंध में थाना कोतवाली ने मामला दर्ज किया है। पुलिस रिमांड के दौरान पूछताछ में आरोपी की निशानदेही पर 24 जून को विभिन्न कंपनियों के 3 और चोरीशुदा मोबाइल फोन बरामद किए गए। इस प्रकार कुल 7 चोरीशुदा मोबाइल फोन बरामद किए जा चुके हैं। पुलिस के अनुसार आरोपी के खिलाफ पहले भी विभिन्न धाराओं के तहत कई मामले दर्ज हैं। मामले की आगे की जांच जारी है।

शेयर-वाइज प्रॉपर्टी रजिस्ट्रियों पर रोक से बढ़ीं मुश्किलें, प्रॉपर्टी फेडरेशन ने अमित शाह से हस्तक्षेप की मांग की

चंडीगढ़/यूटर्न/25 जून। प्रॉपर्टी फेडरेशन चंडीगढ़ (रजि.) ने शहर में शेयर-वाइज प्रॉपर्टी रजिस्ट्रियों पर लगी रोक को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर हस्तक्षेप की मांग की है। फेडरेशन के अध्यक्ष कमलजीत सिंह पंछी ने कहा कि चंडीगढ़ प्रशासन द्वारा माननीय सर्वोच्च न्यायालय के 10 जनवरी 2023 के निर्णय की व्याख्या के बाद शेयर-वाइज रजिस्ट्रियों पर रोक लगाए जाने से हजारों संपत्ति मालिकों को गंभीर परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। फेडरेशन के अनुसार रजिस्ट्रियों पर रोक लगने से संपत्तियों के हस्तांतरण, बिक्री, उत्तराधिकार और प्रबंधन से जुड़े कार्य प्रभावित हुए हैं। इसके चलते शहर के हजारों निवासियों के बीच अनिश्चितता का माहौल बना हुआ है। साथ ही प्रशासन को भी राजस्व के रूप में उल्लेखनीय नुकसान उठाना पड़ रहा है। कमलजीत सिंह पंछी ने बताया कि चंडीगढ़ में बड़ी संख्या में ऐसी संपत्तियां हैं, जो अब तीसरी और चौथी पीढ़ी के परिवारजनों के स्वामित्व में पहुंच चुकी हैं। ऐसे मामलों में संपत्ति के हिस्सों का हस्तांतरण नहीं हो पाने से कानूनी और वित्तीय जटिलताएं पैदा हो रही हैं। उन्होंने कहा कि यदि इस समस्या का जल्द समाधान नहीं किया गया तो भविष्य में पारिवारिक विवादों, संपत्ति संबंधी मुकदमों और न्यायालयों पर बढ़ते बोझ की आशंका बढ़ सकती है। फेडरेशन ने गृह मंत्री अमित शाह से आग्रह किया है कि चंडीगढ़ के निवासियों के व्यापक हित को ध्यान में रखते हुए इस मुद्दे को आगामी बैठक के एजेंडे में शामिल किया जाए। यह बैठक केंद्रीय गृह मंत्री की अध्यक्षता में चंडीगढ़ प्रशासन के मुख्य सचिव और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ प्रस्तावित है। पंछी ने उम्मीद जताई कि लंबे समय से लंबित इस मुद्दे पर सहानुभूतिपूर्वक विचार किया जाएगा और ऐसा समाधान निकाला जाएगा जिससे संपत्ति मालिकों को राहत मिल सके तथा शहर में प्रॉपर्टी लेन-देन से जुड़ी समस्याओं का स्थायी समाधान हो सके।

सत्ता बचाने के लिए तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने लोकतंत्र और संविधान का गला घोंटा : धर्मेंद्र प्रधान

संविधान हत्या दिवस पर भाजपा चंडीगढ़ के कार्यक्रम में लोकतंत्र सेनानियों का सम्मान

अजीत झा

चंडीगढ़/यूटर्न/25 जून। भारतीय जनता पार्टी चंडीगढ़ प्रदेश द्वारा संविधान हत्या दिवस के अवसर पर टैगोर थिएटर, सेक्टर-18, चंडीगढ़ में एक भव्य एवं गरिमामय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने मुख्य वक्ता के रूप में भाग लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा चंडीगढ़ प्रदेश अध्यक्ष जतिंदर पाल मल्होत्रा ने की। इस अवसर पर राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सौदान सिंह, राज्यसभा सांसद रेखा वर्मा विशेष रूप से उपस्थित रहीं। मंच पर चंडीगढ़ के मेयर सौरभ जोशी, प्रदेश महामंत्री रामबीर भट्टी, मोर्चों एवं प्रकोष्ठों के संयोजक शक्तिदेवशाली, प्रदेश उपाध्यक्ष इंद्रा सिंह, भारत कुमार तथा प्रदेश मीडिया प्रभारी रवि रावत उपस्थित रहे। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व सांसद सत्य पाल जैन ने भी उपस्थित जनसमूह को संबोधित किया।

अपने संबोधन में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि 25 जून 1975 भारतीय लोकतंत्र के इतिहास का सबसे काला दिन था, जब तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने सत्ता बचाने के लिए संविधान की मूल भावना, लोकतांत्रिक संस्थाओं और नागरिक स्वतंत्रताओं पर सीधा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि भारत केवल एक भौगोलिक इकाई नहीं, बल्कि हजारों वर्षों पुरानी सभ्यता, संस्कृति और लोकतांत्रिक परंपराओं का वाहक राष्ट्र है। भारत की लोकतांत्रिक चेतना उसकी सांस्कृतिक विरासत में समाहित है और यही कारण है कि भारत को लोकतंत्र की जननी कहा जाता है। धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद संविधान निमार्ताओं ने एक ऐसे भारत की परिकल्पना की थी, जहाँ जनता सर्वोच्च होगी और शासन संविधान के अनुरूप संचालित होगा। लेकिन तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने 25 जून 1975 को लगाए गए आपातकाल के माध्यम से इन मूल्यों को कुचलने का प्रयास किया। उस दौर में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर प्रतिबंध लगाया गया, प्रेस की आवाज को दबाया गया, विपक्षी नेताओं को जेलों में डाला गया और हजारों लोकतंत्र सेनानियों को यातनाएँ सहनी पड़ीं।

उन्होंने कहा कि इलाहाबाद उच्च न्यायालय के निर्णय के बाद लोकतांत्रिक मयार्दाओं का सम्मान करने के बजाय पूरे देश को आपातकाल की बेड़ियों में जकड़ दिया गया। नागरिकों के मौलिक अधिकार छीन लिए गए और भय का वातावरण बना दिया गया। कांग्रेस सरकार ने राजनीतिक विरोध को दबाने के लिए सरकारी तंत्र का खुलकर दुरुपयोग किया। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र केवल चुनावों का नाम नहीं, बल्कि नागरिकों की स्वतंत्रता, विचार रखने के अधिकार और संविधान के सम्मान की व्यवस्था है। आज पूरा विश्व भारत की ओर आशा और विश्वास से देख रहा है, इसलिए देश की युवा पीढ़ी को लोकतंत्र के इस काले अध्याय की सच्चाई से अवगत कराना आवश्यक है।

कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने आपातकाल के दौरान गिरफ्तार किए गए लोकतंत्र सेनानियों एवं भाजपा के वरिष्ठ नेताओं श्री देशराज टंडन, श्री जतिंदर चोपड़ा, श्री ओम प्रकाश आहूजा, श्री सुरिंदर महाजन तथा श्री धर्मवीर को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। उपस्थित जनसमूह ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ लोकतंत्र की रक्षा के लिए उनके संघर्ष, साहस और बलिदान का अभिनंदन किया।

धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि लोकतंत्र सेनानियों का त्याग और संघर्ष भारत के लोकतांत्रिक इतिहास की अमूल्य धरोहर है। आपातकाल के दौरान इन सेनानियों ने व्यक्तिगत कष्ट, उत्पीड़न और कारावास सहकर भी लोकतंत्र की ज्योति को बुझने नहीं दिया। उनका जीवन, समर्पण और राष्ट्रहित में दिया गया बलिदान आने वाली पीढ़ियों को संविधान, लोकतंत्र और नागरिक स्वतंत्रताओं की रक्षा के लिए सदैव प्रेरित करता रहेगा।

स्काई एनक्लेव के बाहर सड़क धंसी, लोडेड ट्रक फंसा

जीरकपुर/यूटर्न/25 जून। गांव गाजीपुर स्थित स्काई एनक्लेव के बाहर गुरुवार सुबह सड़क का हिस्सा अचानक धंस गया। इस दौरान सड़क किनारे खड़ा एक लोडेड ट्रक गड्ढे में फंस गया। घटना के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई और सड़क पर यातायात प्रभावित हो गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार ट्रक सड़क किनारे खड़ा था। इसी दौरान सड़क का हिस्सा धंसने से ट्रक का एक भाग नीचे बैठ गया। गनीमत रही कि घटना के समय ट्रक चल नहीं रहा था, अन्यथा बड़ा हादसा हो सकता था।

ट्रक फंसने के कारण सड़क पर वाहनों की आवाजाही बाधित हो गई। दोनों ओर वाहनों की कतारें लग गईं और लोगों को वैकल्पिक मार्गों से गुजरना पड़ा। दोपहर तक यातायात प्रभावित रहा। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि जीरकपुर में कई स्थानों पर सड़क धंसने और भारी वाहनों के फंसने की घटनाएं पहले भी सामने आ चुकी हैं। कमजोर सड़क निर्माण और भूमिगत ढांचे की खामियों के कारण ऐसे हादसे बार-बार हो रहे हैं। लोगों ने प्रशासन से सड़क धंसने के कारणों की जांच कराने और शहर की सड़कों की गुणवत्ता की व्यापक जांच की मांग की है।

निर्जला एकादशी पर बलटाना में खाटू श्याम मंदिर कमेटी ने लगाई छबील, श्रद्धालुओं ने ग्रहण किया प्रसाद

जीरकपुर/यूटर्न/25 जून। निर्जला एकादशी के पावन अवसर पर जीरकपुर के बलटाना स्थित खाटू श्याम मंदिर कमेटी की ओर से बलटाना मेन मार्केट में छबील और प्रसाद वितरण का आयोजन किया गया। इस दौरान राहगीरों और श्रद्धालुओं को ठंडा मीठा पानी, काले चने और देसी घी का हलवा प्रसाद के रूप में वितरित किया गया।

भीषण गर्मी के बीच आयोजित इस सेवा कार्य में बड़ी संख्या में लोगों ने पहुंचकर प्रसाद ग्रहण किया। मंदिर कमेटी के सदस्यों ने बताया कि निर्जला एकादशी के दिन सेवा और जल वितरण का विशेष महत्व होता है, इसी भावना के साथ यह आयोजन किया गया।

इस मौके पर खाटू श्याम मंदिर कमेटी के सदस्य एवं भारतीय जनता पार्टी नेता गुरुदर्शन सिंह सैनी, हरजीत सिंह मिंटा, वार्ड नंबर 5 की पूर्व पार्षद नेहा शर्मा, मनी शर्मा सहित मंदिर कमेटी के अन्य सदस्य मौजूद रहे।

कार्यक्रम के दौरान मंदिर कमेटी की ओर से समाजसेवा में सहयोग के लिए गुरुदर्शन सिंह सैनी को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

लोकतंत्र के 'काले अध्याय' के नायकों का सम्मान

भाजपा ने 'संविधान हत्या दिवस' पर याद किए आपातकाल के संघर्षी योद्धा

-चरणजीत सिंह चन्न-

जगरांव/यूटर्न/25/जून। भारतीय जनता पार्टी ने देश के लोकतंत्र को बचाने के लिए 1975 के आपातकाल के कठिन दौर में यातनाएं सहने वाले संघर्षी योद्धाओं और उनके परिवारों को नमन किया है। आपातकाल की 51वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में भाजपा नेताओं ने घर-घर जाकर उन बहादुरों का सम्मान किया, जिन्होंने लोकतंत्र की रक्षा के लिए जेलों की सलाखें काटी थीं।

जिला अध्यक्ष डॉ. राजिंदर शर्मा के नेतृत्व में भाजपा कार्यकताओं ने शहीद सतपाल कत्याल, वैद्य चिरंजी लाल, वैद्य प्रेम घल्लां वाले, दविंदर नाथ सिंह, पवन कुमार, रविंदर सिंह वर्मा और राम आसरा के परिवारों से भेंट की और उन्हें सम्मानित किया। लोकतंत्र की हत्या का काला दिनः इस अवसर पर डॉ. राजिंदर शर्मा ने कहा कि 25 जून 1975 का दिन भारतीय इतिहास का सबसे काला अध्याय है। उन्होंने कहा, इलाहाबाद उच्च न्यायालय द्वारा इंदिरा गांधी के चुनाव को अमान्य घोषित किए जाने के बाद, अपनी सत्ता को बचाने के लिए उन्होंने देश पर आपातकाल थोप दिया। यह कांग्रेस की तानाशाही मानसिकता का परिणाम था, जिसने लोकतंत्र को जंजीरों में जकड़ दिया था।

डर और दमन का दौर

भाजपा नेताओं ने याद दिलाया कि उस दौर में नागरिकों के मौलिक अधिकारों को निलंबित कर दिया गया, प्रेस पर सेंसरशिप लगा दी गई और विपक्ष के नेताओं, पत्रकारों व लोकतंत्र समर्थकों को जेलों में ठूंस दिया गया। उन्होंने कहा कि जबरन नसबंदी, राजनीतिक गिरफ्तारियां और नागरिक स्वतंत्रता का हनन उस दौर की दर्दनाक सच्चाई थी। करीब 21 महीनों के इस कठिन संघर्ष के बाद 1977 में जनता ने अपनी ताकत दिखाई और लोकतंत्र की पुनः बहाली हुई।

'संविधान हत्या दिवस' के रूप में स्मरण

भाजपा ने घोषणा की कि 11 जुलाई 2024 को भारत सरकार ने उस काले दौर और लोकतंत्र के लिए संघर्ष करने वाले योद्धाओं को श्रद्धांजलि देने के लिए 25 जून को ह्यसंविधान हत्या दिवसह्ल के रूप में मनाने का निर्णय लिया है, ताकि आने वाली पीढ़ियां लोकतंत्र के महत्व को समझ सकें। इस सम्मान कार्यक्रम के दौरान एमसी सतीश पप्पू, उपाध्यक्ष कृष्ण कुमार इंदोरा, अनिल कुमार शेंटी चोपड़ा, राज वर्मा, गौरव गुप्ता, बब्बी कत्याल, अनमोल कत्याल, सुरेश गर्ग और अमित शर्मा सहित कई अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

नशा मुक्ति केंद्र ने जारी की 98 गोलियां, बेकसूर को दिखाया नशेड़ी

मामला पहुंचा ह्यूमन राइट कमीशन, सिविल सर्जन तलब

अशोक सहगल

लुधियाना, यूटर्न 25 जून। पंजाब स्टेट ह्यूमन राइट्स कमीशन (PSHRC) ने आधार कार्ड का गलत इस्तेमाल कर एक बेकसूर व्यक्ति को सरकारी रिकॉर्ड में 'नशेड़ी' दिखाने के गंभीर मामले में सिविल सर्जन लुधियाना डॉक्टर रमनदीप कौर को आयोग में तलब किया है । 15 जून को आदेश जारी करते हुए लुधियाना के सिविल सर्जन को 14 अगस्त को अगली सुनवाई पर खुद पेश होने का आदेश दिया गया है।

स्वस्थ निदेशक और सिविल सर्जन ने नहीं लिया कोई एक्शन

कमीशन के आदेश में स्पष्ट कहा गया है कि कमीशन ने 9 जनवरी और 12 मार्च, 2026 को डायरेक्टर (हेल्थ एंड फैमिली वेलफेयर, पंजाब) और सिविल सर्जन (लुधियाना) को एक्शन टेकन रिपोर्ट सौंपने के निर्देश दिए थे। लेकिन दोनों में से किसी भी अधिकारी ने अब तक कोई रिपोर्ट जमा नहीं की। इस सिलसिले में शिकायतकर्ता बीजा गांव (खन्ना) के रहने वाले तरसेम जब अपने असला लाइसेंस के लिए डोप टेस्ट' करवाने गए तो उन्हें पता चला कि उनके आधार कार्ड का गलत इस्तेमाल हुआ है और नशा मुक्ति केंद्र ने उनके नाम पर 98 गोलियां जारी कर दीं और उन्हें सरकारी पोर्टल पर नशेड़ी दिखा दिया।

न्याय की उम्मीद में 200 दिन लगाते रहे चक्कर

तरसेम भारद्वाज ने बताया कि इसके बाद उन्होंने मानवाधिकार आयोग और डीआईजी लुधियाना रेंज से न्याय की गुहार लगाई थी। अब 15 जून के इस नए अदालती आदेश के बाद स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया है। तरसेम भारद्वाज ने मांग की है कि दोषियों को जेल भेजा जाए, उनका खन्ना डी-एडिक्शन सेंटर में आधार कार्ड का बिना उनकी जानकारी के गलत इस्तेमाल किया गया और वहां से प्रतिबंधित गोलियां ली गईं, जिनकी एंट्री मेरे आधार नंबर पर बिना मेरी जानकारी के दर्ज कर दी गई। इस बारे में उन्होंने सीनियर सुपरीटेंडेंट पुलिस खन्ना और माननीय डिप्टी कमिश्नर लुधियाना को शिकायत की और खन्ना डी-एडिक्शन सेंटर ने उनके आधार कार्ड का गलत इस्तेमाल किया परंतु अधिकारियों में कोई कार्रवाई करने की बजाय हर बार उन्हें टालने का प्रयास किया और बिना बताए उनकी शिकायत को दाखिल दफ्तर कर दिया सीनियर सुपरीटेंडेंट पुलिस के पास अपनी एप्लीकेशन कई बार गए परंतु पुलिस के चक्कर लगवाये और हर बार कोई न कोई बहाना बना दिया गया। डिप्टी कमिश्नर ने भी पांच सदस्यों की कमेटी बनाई है और बार-बार कमेटी के सामने पेश हुए हैं, लेकिन 200 दिन से ज्यादा समय बीत जाने के बाद भी अभी तक इस पर कोई फैसला नहीं हुआ है ज़िला प्रशासन से और न ही पुलिस प्रशासन से उन्हें न्याय प्रदान किया गया हार कर उन्हे पंजाब राज्य मानवाधिकार आयोग का द्वार खटखटाना पड़ा तब जाकर न्याय की आशा पैदा हुई है।

सरपंचों के लिए 10,000 और 2027 की ओर मान का चुपचाप बढ़ता कदम

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने 15 अगस्त से गांव के सरपंचों के लिए 10,000 के मासिक मानदेय की घोषणा की है। पहली नजर में यह एक सामान्य प्रशासनिक फैसला लग सकता है, लेकिन असल में यह एक चतुर राजनीतिक कदम है जो 2027 के विधानसभा चुनावों से पहले पंजाब के ग्रामीण इलाकों की राजनीतिक तस्वीर को काफी हद तक बदल सकता है।

सालों से पंजाब भर के सरपंच शिकायत करते रहे हैं कि वे सरकारी योजनाओं को लागू करने से लेकर स्थानीय विवादों को सुलझाने और विकास कार्यों की देखरेख करने जैसी बड़ी ज़िम्मेदारियाँ तो निभाते हैं, लेकिन उन्हें इसके बदले बहुत कम आर्थिक मान्यता मिलती है। इस पुरानी मांग को पूरा करके, आम आदमी पार्टी की सरकार ने कुछ हजार चुने हुए ग्राम प्रधानों को खुश करने से कहीं ज्यादा कीमती चीज हासिल की है: उसने राजनीतिक नैरेटिव (विमर्श) पर अपनी पकड़ बना ली है।

संदीप शर्मा, सम्पादक

पंजाब में 13,000 से ज्यादा ग्राम पंचायतें हैं। भले ही यह मान लिया जाए कि इस योजना का सीधा फायदा सिर्फ.सरपंचों को ही मिलेगा, लेकिन इसका राजनीतिक असर इन लोगों से कहीं ज्यादा है। हर सरपंच पूरे गांव का प्रतिनिधित्व करता है और ग्रामीण सामाजिक ढांचे में राय बनाने वाले एक अहम व्यक्ति के तौर पर काम करता है। कई गांवों में, रोजमर्रा की समस्याओं के समाधान के लिए नागरिक सबसे पहले सरपंच से ही संपर्क करते हैं। इस प्रभावशाली वर्ग को अपने पक्ष में करने का मतलब लाखों मतदाताओं के बीच अच्छी छवि बनाना हो सकता है। राजनीति अक्सर धारणा बनाने का खेल होती है, और मान सरकार यह धारणा बनाने में सफल रही है कि वह जमीनी स्तर के नेतृत्व को महत्व देती है। ऐसे समय में जब विपक्षी दल कानून-व्यवस्था, बेरोजगारी और खेती-किसानी से जुड़ी दिक्कतों जैसे मुद्दों पर सरकार को घेरने की कोशिश कर रहे हैं, इस घोषणा ने लोगों की बातचीत का रुख ग्रामीण सशक्तिकरण की ओर मोड़ दिया है।

यह कदम बिहार में बीजेपी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार की रणनीति से काफी मिलता-जुलता है। वहां विधानसभा चुनावों से पहले, सत्ताधारी गठबंधन ने कल्याणकारी योजनाओं के जरिए महिलाओं के लिए ज्यादा आर्थिक मदद की घोषणा की थी। मकसद साफ था: सामाजिक रूप से प्रभावशाली मतदाता वर्ग को एकजुट करना और सीधा राजनीतिक जुड़ाव बनाना। इस रणनीति का बहुत फायदा हुआ और महिलाएं एक निर्णायक चुनावी वोट बैंक के तौर पर उभरीं।

पंजाब सरकार भी उसी राजनीतिक रणनीति का इस्तेमाल करती दिख रही है। महिला मतदाताओं को टारगेट करने के बजाय, उसने गांव के नेतृत्व पर ध्यान केंद्रित किया है। इसका हिसाब-किताब सीधा है: थोड़ा-बहुत वित्तीय खर्च करें, असरदार बिचौलियों का भरोसा जीतें और पक्का करें कि सरकार की बात भरोसेमंद स्थानीय लोगों के जरिए हर घर तक पहुँचे।

आलोचक कह सकते हैं कि ऐसी घोषणाएँ लोक-लुभावन राजनीति हैं और राज्य, जो पहले से ही भारी कर्ज.में डूबा है, अतिरिक्त खर्च नहीं उठा सकता। इन चिंताओं पर गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए। चुनावी राजनीति के लिए वित्तीय समझदारी की बलि नहीं दी जा सकती। फिर भी, राजनीति का मतलब उन संस्थाओं को पहचानना और उन्हें पुरस्कृत करना भी है जो शासन-व्यवस्था की रीढ़ हैं।

यह फैसला आखिरकार वोटों में बदलेगा या नहीं, यह तो 2027 में ही पता चलेगा। हालाँकि, एक राजनीतिक रणनीति के तौर पर यह कदम निश्चित रूप से समझदारी भरा है। कुछ हजार सरपंचों को अहमियत का एहसास कराकर, भगवंत मान शायद ग्रामीण पंजाब के राजनीतिक माहौल को प्रभावित करने में कामयाब रहे हैं।

नॉन-एमओयू गार्बेज कलेक्टरों की वर्षों पुरानी मांग पूरी होने की राह पर, एमओयू प्रक्रिया को मिली मंजूरी

नगर निगम से मंजूर कॉपी मिलने के बाद कर्मचारियों में खुशी की लहर

अजीत झा

चंडीगढ़/यूटर्न/25 जून। शहर और आसपास के गांवों में डोर-टू-डोर कूड़ा संग्रहण का कार्य करने वाले नॉन-एमओयू गार्बेज कलेक्टरों के लिए बड़ी राहत भरी खबर सामने आई है। लंबे समय से एमओयू (मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग) की मांग को लेकर संघर्ष कर रहे गार्बेज कलेक्टरों को आखिरकार बड़ी सफलता मिली है। नगर निगम द्वारा एमओयू से संबंधित प्रस्ताव को मंजूरी दिए जाने के बाद इसकी आधिकारिक कॉपी संबंधित प्रतिनिधियों तक पहुंच गई है, जिससे कर्मचारियों में खुशी और उत्साह का माहौल है। जानकारी के अनुसार विभिन्न गांवों में कार्यरत गार्बेज कलेक्टर लंबे समय से अपने कार्य को नियमित और व्यवस्थित स्वरूप देने के लिए एमओयू की मांग कर रहे थे। इस मांग को लेकर कई बार प्रशासन और नगर निगम के समक्ष मुद्दा

उठाया गया। अब नगर निगम स्तर पर प्रस्ताव को मंजूरी मिलने के बाद एमओयू प्रक्रिया को अंतिम रूप दिए जाने का रास्ता साफ होता नजर आ रहा है।

गार्बेज कलेक्टरों के प्रतिनिधियों का कहना है कि इस उपलब्धि के पीछे संगठन की एकजुटता और निरंतर संघर्ष की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उन्होंने बताया कि प्रधान धर्मबीर राणा और उनकी पूरी टीम ने लगातार अधिकारियों के साथ बैठकें कर कर्मचारियों की मांगों को मजबूती से रखा। इसी का परिणाम है कि आज एमओयू प्रक्रिया आगे बढ़ सकी है। कर्मचारियों ने कहा कि एमओयू लागू होने से न केवल उनके कार्य को संस्थागत मान्यता मिलेगी, बल्कि उनके अधिकारों और भविष्य की सुरक्षा भी सुनिश्चित होगी। इससे कार्य व्यवस्था अधिक पारदर्शी और व्यवस्थित बनेगी तथा कर्मचारियों को लंबे समय से चली आ रही अनिश्चितता से भी राहत मिलेगी। एमओयू से जुड़ी मंजूरी की खबर मिलते ही विभिन्न गांवों में कार्यरत गार्बेज कलेक्टरों ने खुशी जाहिर की। कई कर्मचारियों ने इसे अपने संघर्ष की जीत बताते हुए कहा कि यह केवल एक प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि उनके सम्मान, अधिकार और भविष्य से जुड़ा महत्वपूर्ण कदम है। कर्मचारियों ने प्रधान धर्मबीर राणा और उनकी टीम का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में संगठन ने एकजुट रहकर लड़ाई लड़ी, जिसका सकारात्मक परिणाम आज सामने आया है। कर्मचारियों को उम्मीद है कि आगामी दिनों में सभी औपचारिकताएं पूरी कर एमओयू प्रक्रिया को जल्द अंतिम रूप दिया जाएगा, जिससे सैकड़ों परिवारों को सीधा लाभ मिलेगा। गार्बेज कलेक्टरों का मानना है कि यह उपलब्धि भविष्य में उनके हितों की रक्षा करने के साथ-साथ डोर-टू-डोर कूड़ा संग्रहण व्यवस्था को भी अधिक मजबूत और प्रभावी बनाने में अहम भूमिका निभाएगी।

फतेहगढ़ साहिब में 2 आंगनवाड़ी वर्कर बेहोश, मां-बेटी सम्मान योजना के फॉर्म भर रही थीं

खन्ना/यूटर्न/25 जून। फतेहगढ़ साहिब में पंजाब सरकार की 'मां-बेटी सम्मान योजना' के ऑनलाइन फॉर्म भरते समय दो आंगनवाड़ी वर्कर बेहोश हो गईं। यह घटना सरहिंद में हुई। बेहोश हुई वर्करों की पहचान आरती और गुरमीत कौर के रूप में हुई है। उन्हें तुरंत सिविल अस्पताल फतेहगढ़ साहिब में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। इस घटना के बाद आंगनवाड़ी वर्करों में असंतोष देखा जा रहा है। सूचना मिलते ही आंगनवाड़ी मुलाजिम यूनियन की प्रदेश

अध्यक्ष हरजीत कौर पंजोला अस्पताल पहुंचीं और वर्करों का हालचाल जाना। उन्होंने पंजाब सरकार पर योजना के क्रियान्वयन में पर्याप्त तकनीकी प्रबंधन न करने का आरोप लगाया। हरजीत कौर पंजोला ने आरोप लगाया कि योजना की ऐप और वेबसाइट में लगातार तकनीकी खामियां आ रही हैं।

सर्वर डाउन होने के कारण वर्करों को घंटों तक मोबाइल और कंप्यूटर पर काम करना पड़ता है। इससे उन पर मानसिक और शारीरिक दबाव बढ़ रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि फॉर्म समय पर जमा न होने से वर्करों को लोगों के गुस्से और शिकायतों का सामना करना पड़ता है।

चंडीगढ़ को राष्ट्रीय पर्यटन और सांस्कृतिक केंद्र बनाने पर जोर, सुखना झील को विकसित करने का सुझाव

अजीत झा

चंडीगढ़/यूटर्न/25 जून। प्रशासक सलाहकार परिषद की कला, संस्कृति, पर्यटन एवं विरासत संरक्षण संबंधी वैधानिक समिति की बैठक गुरुवार को सेक्टर-17 स्थित सिटको कार्यालय में समिति के अध्यक्ष एच.एस. लक्की की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में चंडीगढ़ को उत्तर भारत के प्रमुख पर्यटन और सांस्कृतिक केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में विभिन्न सुझावों पर चर्चा की गई।

एच.एस. लक्की ने कहा कि सुनियोजित शहर होने के बावजूद चंडीगढ़ अपनी पर्यटन क्षमता का पूरा उपयोग नहीं कर पाया है। उन्होंने पर्यटकों के लिए बेहतर बुनियादी सुविधाएं विकसित

करने के साथ-साथ नियमित सांस्कृतिक उत्सव, हेरिटेज वॉक, कला प्रदर्शनियां और संगीत कार्यक्रम आयोजित करने पर जोर दिया। बैठक में सुखना झील को वर्षभर सांस्कृतिक और पर्यटन गतिविधियों का केंद्र बनाने का सुझाव दिया गया। इसके तहत लोक कला प्रस्तुतियां, फूड फेस्टिवल, कला मेले और विरासत उत्सव आयोजित करने की बात कही गई।

समिति ने स्थानीय कलाकारों, संगीतकारों और शिल्पकारों को अधिक अवसर उपलब्ध कराने तथा युवाओं में स्वच्छता, अनुशासन और नागरिक जिम्मेदारी की भावना विकसित करने के लिए जागरूकता अभियान चलाने की सिफारिश भी की। लक्की ने जापान समेत अन्य देशों की व्यवस्थाओं का उदाहरण देते हुए चंडीगढ़ में सार्वजनिक अनुशासन और स्वच्छता संस्कृति को बढ़ावा देने की आवश्यकता बताई।

बैठक में सरंगपुर में विकसित की जा रही इवेंट और कन्वेंशन सुविधाओं का दौरा करने का भी निर्णय लिया गया। समिति का मानना है कि ऐसे बुनियादी ढांचे से चंडीगढ़ राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय आयोजनों के लिए एक पसंदीदा गंतव्य बन सकता है। बैठक के अंत में सदस्यों ने पर्यटन, संस्कृति और विरासत संरक्षण को और प्रभावी ढंग से बढ़ावा देने के लिए व्यापक रणनीति अपनाने पर सहमति जताई।

मुहर्रम पर 26 जून की छुट्टी का वायरल आदेश फर्जी, चंडीगढ़ प्रशासन ने किया खंडन

चंडीगढ़/यूटर्न/25 जून। चंडीगढ़ प्रशासन ने सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे उस कथित कार्यालय आदेश को पूरी तरह फर्जी और भ्रामक बताया है, जिसमें 26 जून 2026 (शुक्रवार) को मुहर्रम के अवसर पर सार्वजनिक अवकाश घोषित किए जाने का दावा किया गया है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि इस संबंध में चंडीगढ़ प्रशासन द्वारा कोई आदेश जारी नहीं किया गया है। सोशल मीडिया पर प्रसारित किया जा रहा दस्तावेज पूरी तरह से फर्जी, असत्य और लोगों को गुमराह करने वाला है।

प्रशासन ने आम जनता, सरकारी कर्मचारियों और अन्य संबंधित पक्षों से अपील की है कि वे ऐसे अप्रमाणित दस्तावेजों पर विश्वास न करें और न ही उन्हें आगे साझा करें। किसी भी अवकाश या सरकारी निर्णय से संबंधित जानकारी केवल प्रशासन के अधिकृत माध्यमों और आधिकारिक आदेशों के माध्यम से ही मान्य होगी। चंडीगढ़ प्रशासन ने कहा कि सोशल मीडिया पर फैल रही अफवाहों और भ्रामक सूचनाओं से सावधान रहने की आवश्यकता है। किसी भी सरकारी आदेश की पुष्टि संबंधित विभाग या प्रशासन के आधिकारिक चैनलों से ही की जानी चाहिए। प्रशासन ने लोगों से जिम्मेदारी दिखाते हुए केवल सत्यापित और आधिकारिक जानकारी पर भरोसा करने की अपील की है, ताकि अफवाहों और भ्रम की स्थिति से बचा जा सके।

जैन समाज की भावनाएं आहत करने वाले कथित बयान पर प्रधानमंत्री, गृह मंत्री एवं राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग को ज्ञापन

चंडीगढ़/यूटर्न/25 जून। भारतीय जनता पार्टी चंडीगढ़ के पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष एवं जैन महासंघ चंडीगढ़ ट्राइसिटी के संयोजक कैलाश चंद जैन ने जैन मुनियों द्वारा प्रयोग की जाने वाली मयूर पंख पिच्छी के संबंध में पूर्व केंद्रीय मंत्री श्रीमती मेनका गांधी द्वारा दिए गए कथित बयान पर कड़ी आपत्ति व्यक्त की है। कैलाश चंद जैन ने इस विषय को गंभीर बताते हुए भारत के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी, माननीय गृह मंत्री श्री अमित शाह तथा राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष को ज्ञापन भेजा है। ज्ञापन की प्रतिलिपि श्रीमती मेनका गांधी को भी प्रेषित की गई है तथा उनसे अपने कथित बयान के संबंध में स्थिति स्पष्ट करने का आग्रह किया गया है। कैलाश चंद जैन ने कहा कि जैन धर्म अहिंसा, करुणा एवं जीव-दया का संदेश देता है। जैन साधु-संत पिच्छी का उपयोग सूक्ष्म जीवों की रक्षा के लिए करते हैं। पिच्छी प्राकृतिक रूप से गिरे हुए मयूर पंखों से बनाई जाती है। ऐसे में मोरों की हत्या कर पिच्छी बनाए जाने का आरोप तथ्यहीन, भ्रामक और जैन समाज की धार्मिक भावनाओं को आहत करने वाला है। उन्होंने कहा कि जैन संतों एवं जैन परंपराओं पर बिना किसी प्रमाण के इस प्रकार का गंभीर आरोप लगाना अत्यंत आपत्तिजनक है। यदि श्रीमती मेनका गांधी के पास अपने कथन के समर्थन में कोई विश्वसनीय प्रमाण है, तो उसे सार्वजनिक किया जाए। अन्यथा वे अपना बयान वापस लेकर जैन समाज एवं जैन मुनियों से सार्वजनिक क्षमा याचना करें। कैलाश चंद जैन ने कहा कि जैन समाज एक शांतिप्रिय, राष्ट्रनिष्ठ एवं अहिंसक समुदाय है, जिसने सदैव सामाजिक समरसता, जीव-दया एवं नैतिक मूल्यों को बढ़ावा दिया है। किसी भी अल्पसंख्यक समुदाय की धार्मिक परंपराओं एवं आस्थाओं के संबंध में बिना प्रमाण इस प्रकार के वक्तव्य सामाजिक सौहार्द को प्रभावित कर सकते हैं।

यूटर्न टाइम
The Good, Bad and Ugly of India

पंजाब के नंबरदारों की भी बढ़े सम्मान राशि

सरकार से 10 हजार रुपये मासिक मानदेय की मांग

-चरणजीत सिंह चन्न-

जगरांव/यूटर्न/25/जून। पंजाब में सरपंचों को मिलने वाली मासिक मानदेय राशि में बढ़ोतरी के बाद, अब राज्य के नंबरदारों ने भी अपनी मांगों को लेकर सरकार पर दबाव बढ़ा दिया है। पंजाब नंबरदार एसोसिएशन ने सरकार से मांग की है कि जिस प्रकार सरपंचों को 10 हजार रुपये मासिक मानदेय देने का निर्णय लिया गया है, उसी तर्ज पर नंबरदारों को भी समान रूप से 10 हजार रुपये प्रतिमाह का सम्मान भत्ता दिया जाए।

'ज़िम्मेदारियों के मुकाबले नगण्य है मौजूदा मानदेय'

पंजाब नंबरदार एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष परमिंदर सिंह गालिब ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि नंबरदार लंबे समय से अपनी मांगों को लेकर मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान और संबंधित मंत्रियों को कई बार ज्ञापन सौंप चुके हैं, लेकिन अभी तक सरकार ने इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि वर्तमान में नंबरदारों को जो मानदेय मिल रहा है, वह उनकी प्रशासनिक और सामाजिक जिम्मेदारियों के मुकाबले बेहद नगण्य (बहुत कम) है। गालिब ने कहा, नंबरदार गांव के स्तर पर राजस्व विभाग, प्रशासन और सरकार के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में कार्य करते हैं। सरकारी आदेशों का पालन करवाना हो या प्रशासनिक कार्यों में सहयोग देना, नंबरदार अपनी भूमिका पूरी निष्ठा से निभाते हैं।

सरपंचों के फैसले का स्वागत, पर नंबरदारों की अनदेखी क्यों ?

एसोसिएशन ने सरकार द्वारा सरपंचों के मानदेय में वृद्धि के फैसले का स्वागत किया है, लेकिन साथ ही यह सवाल भी उठाया है कि प्रशासन की धुरी माने जाने वाले नंबरदारों की अनदेखी क्यों की जा रही है।

समानता का अधिकार : सरपंचों की तरह नंबरदारों को भी 10 हजार रुपये मासिक मानदेय मिले।

योगदान की मान्यता : नंबरदारों द्वारा निभाई जा रही प्रशासनिक और राजस्व संबंधी सेवाओं का उचित मूल्यांकन हो।

प्रभावशाली कार्यप्रणाली : यदि सरकार सम्मानजनक मानदेय तय करती है, तो नंबरदार अपनी जिम्मेदारियों को और भी अधिक समर्पण और प्रभावी ढंग से निभा सकेंगे।

परमिंदर सिंह गालिब ने अंत में राज्य सरकार से अपील की कि वे इस मामले में सहानुभूतिपूर्वक विचार करें और सरपंचों की तर्ज पर ही नंबरदारों के लिए भी मानदेय बढ़ाने का निर्णय जल्द लागू करें ताकि उनके वर्षों पुराने संघर्ष को उचित सम्मान मिल सके।

पंचायत चुनाव में नामांकन के दौरान फायरिंग, एक युवक जख्मी

पंजाब/यूटर्न/25 जून। फिरोजपुर के कस्बा ममदोट में नगर पंचायत चुनावों के लिए नामांकन प्रक्रिया के दौरान राजनीतिक माहौल उस समय हिंसक हो गया, जब समाजसेवी गुरप्रीत सेखों और कांग्रेस कार्यकताओं के बीच झड़प हो गई। दोनों पक्षों के बीच पहले बहस हुई, फिर हाथापाई और हंगामा शुरू हो गया। मामला इतना बढ़ गया कि गोलीबारी तक हो गई, जिसमें एक युवक के घायल होने की खबर है। ममदोट में नगर पंचायत चुनावों के लिए नामांकन दाखिल करने के दौरान माहौल तनावपूर्ण हो गया। नामांकन केंद्र के बाहर समाजसेवी गुरप्रीत सेखों और कांग्रेस समर्थकों के बीच तीखी बहस हुई। जो कुछ ही मिनटों में हंगामे और झड़प में बदल गई। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर गंभीर आरोप लगाए हैं। समाजसेवी गुरप्रीत सिंह सेखों ने आरोप लगाया कि कांग्रेस कार्यकताओं ने खुलेआम गुंडागर्दी की और नामांकन केंद्र के बाहर भीड़ इकट्ठी करके उनके समर्थकों को परेशान करने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि पुलिस माहौल को शांत बनाए रखने का प्रयास कर रही थी। लेकिन कांग्रेस ने जानबूझकर स्थिति को खराब किया। दूसरी ओर कांग्रेस नेता आशु बांगड़ ने दावा किया कि समाजसेवी गुरप्रीत सेखों ने गुंडों की मदद से कांग्रेस कार्यकताओं पर हमला करवाया।

नेपाल जाएगी पंचकूला पुलिस मुखिया सरगना निकला नेपाल बॉर्डर का

नेपाल बॉर्डर से लाकर ट्राइसिटी में की जाती थी अफीम सप्लाई

पंचकूला/यूटर्न/25 जून। पंचकूला के पुलिस कमिश्नर पंकज नैन द्वारा जिला को पूरी तरह नशामुक्त बनाने की दिशा में शुरू किए गए विशेष अभियान के तहत पंचकूला पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस की विभिन्न क्राइम यूनिट्स ने डीसीपी क्राइम एंड ट्रैफिक अमरिंदर सिंह की अगुवाई में मुस्तैदी दिखाते हुए मात्र 24 घंटे के भीतर तीन शातिर नशा तस्करों को दबोच लिया है। पकड़े गए आरोपियों के कब्जे से बाजार में करीब 31 लाख रुपये की कीमत के नशीले पदार्थ बरामद किए गए हैं, जिसमें 21 लाख रुपये मूल्य की अफीम और 10 लाख रुपये मूल्य की हेरोइन शामिल है। पुलिस की टीमें नशा माफियाओं के नेटवर्क को ध्वस्त करने के लिए लगातार उनके संदिग्ध ठिकानों पर छापेमारी कर रही हैं। इसी कड़ी में आज भी सेक्टर-16 पुलिस चौकी की टीम ने स्निफर डॉग्स की मदद से इंदिरा कॉलोनी और राजीव कॉलोनी में सघन तलाशी अभियान चलाया। ऑटो से अफीम की सप्लाई करने वाले यूपी के दो तस्कर गिरफ्तार, 21 लाख की अफीम बरामद डीसीपी क्राइम एंड ट्रैफिक अमरिंदर सिंह: नशा तस्करी के पहले मामले में क्राइम ब्रांच सेक्टर-19 की टीम ने इंचार्ज प्रवीण मलिक की अगुवाई में कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को भारी मात्रा में अफीम के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान राज कुमार उर्फ ननौरी निवासी बदायूं, यूपी और संजय निवासी बरेली, यूपी के रूप में हुई है, जो फिलहाल पंचकूला के रामगढ़ और मदनपुर में किराये पर रह रहे थे। पीएसआई अनुज मदान को गुप्त सूचना मिली थी कि ये आरोपी किराये का ऑटो लेकर सेक्टर-28 के कब्रिस्तान के पास किसी ग्राहक को अफीम सप्लाई करने आने वाले हैं। पुलिस टीम ने नाकाबंदी कर ऑटो को रोका और तलाशी के दौरान राज कुमार के पिट्ठू बैग से 4 किलो 205 ग्राम अफीम और 32,500 रुपये ड्रग मनी बरामद की।

निर्जला एकादशी के मौके पर अग्रवाल परिवार की ओर से छबील और अटूट लंगर का आयोजन

जीरकपुर/यूटर्न/25 जून। निर्जला एकादशी के पवित्र अवसर पर जीरकपुर के समाजसेवी अग्रवाल परिवार की ओर से श्रद्धा और सेवा भावना के साथ ठंडे मीठे जल की छबील और अटूट लंगर का आयोजन किया गया। यह सेवा जीरकपुर-अंबाला रोड पर स्थित होटल मैरीलैंड के पास लगाई गई, जहां राहगीरों, वाहन चालकों और स्थानीय लोगों ने बड़ी संख्या में छबील और लंगर का प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम की शुरूआत विजय अग्रवाल और पूरे परिवार की ओर से सर्वजन की भलाई के लिए अरदास के साथ की गई। इसके बाद परिवार के सदस्यों ने संगतों को ठंडा मीठा जल और लंगर वितरित करने की सेवा निभाई। गर्मी के मौसम को देखते हुए छबील का विशेष प्रबंध किया गया था, जिसका लोगों ने भरपूर लाभ उठाया। दोपहर करीब साढ़े तीन बजे तक लगातार लंगर चलता रहा। इस मौके पर मुनीश अग्रवाल, रंजन अग्रवाल, नमन अग्रवाल, समर्थ अग्रवाल सहित परिवार के अन्य सदस्यों ने सेवा में सक्रिय भूमिका निभाई। परिवार के सदस्यों ने कहा कि निर्जला एकादशी के दिन सेवा, दान और परोपकार का विशेष महत्व है और इसी भावना के साथ यह प्रयास किया गया है।

लंगर ग्रहण करने वाले लोगों ने अग्रवाल परिवार के इस सामाजिक और धार्मिक प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि ऐसी सेवाएं समाज में आपसी भाईचारे और मानवता के संदेश को मजबूत करती हैं। कई राहगीरों ने गर्मी के मौसम में ठंडे मीठे जल की सेवा को बेहद सराहनीय बताया।

कनाडा का पहली बार बड़ा खुलासा, कहा - जून 1985 में एयर इंडिया के कनिष्क विमान हादसे के लिए खालिस्तानी ज़िम्मेदार

चंडीगढ़/यूटर्न/25 जून। एयर इंडिया की फ़्लाइट 182 में बम धमाके के चार दशक से ज्यादा समय बाद, जिसमें 329 लोग मारे गए थे, कनाडा की मुख्य खुफिया एजेंसी 'कैनेडियन सिक्योरिटी इंटेलिजेंस सर्विस' (सीएसआईएस) ने पहली बार साफ तौर पर कनाडा में मौजूद खालिस्तानी आतंकवादियों को विस्फोटक लगाने का दोषी ठहराया है। जहाँ नई दिल्ली शुरू से ही कहती रही है कि 1985 की यह त्रासदी एक खालिस्तानी साज़िश थी, वहीं ओटावा ने अब तक सार्वजनिक रूप से इस आंदोलन का नाम लेने से परहेज किया था। बुधवार को इस त्रासदी की याद में किए गए एक फेसबुक पोस्ट में, सीएसआईएस ने सीधे तौर पर इस हमले के लिए अलगाववादी आंदोलन को ज़िम्मेदार ठहराया।

टोरंटो से मुंबई जा रही थी फ्लाइट

टोरंटो से मुंबई जा रही एयर इंडिया की फ़्लाइट 182 (बोइंग 747, जिसे 'सम्राट कनिष्क' नाम दिया गया था) में बम धमाका कनाडा के इतिहास का सबसे बुरा आतंकवादी हमला था और 2001 में 11 सितंबर के हमलों तक यह दुनिया का सबसे घातक एविएशन टेररिज्म (विमानन आतंकवाद) का मामला था। प्रतिबंधित खालिस्तानी समूह 'बब्बर खालसा' के सदस्यों द्वारा सामान रखने वाले हिस्से (लगेज कम्पार्टमेंट) में लगाए गए बम के कारण हुए धमाके ने अटलांटिक महासागर के ऊपर विमान के परखच्चे उड़ा दिए, जिससे उसमें सवार सभी यात्री और क्रू मेंबर मारे गए। 2005 में, खालिस्तानी आंदोलन को साफ तौर पर दोषी ठहराने का सीएसआईएस का यह फैसला, एजेंसी द्वारा अपनी सालाना रिपोर्ट जारी करने के कुछ ही महीनों बाद आया है।

कनाडा को इतना समय क्यों लगा ?

यह देरी मुख्य रूप से कनाडा की सुरक्षा व्यवस्था में हुई एक बड़ी विफलता के कारण हुई। पूर्व सुप्रीम कोर्ट जस्टिस जॉन मेजर की अध्यक्षता में 2010 में हुई एक सार्वजनिक जांच में यह निष्कर्ष निकला कि राष्ट्रीय एजेंसियों से गलतियों की एक श्रृंखला (लगातार कई गलतियाँ) हुई थीं, जिसने इस मामले को बुरी तरह कमजोर कर दिया था। सबसे गंभीर बात यह है कि कैनेडियन सिक्योरिटी इंटेलिजेंस सर्विस (सीएसआईएस) और रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस (आरसीएमपी) के बीच अधिकार क्षेत्र को लेकर हुई जबरदस्त खींचतान ने जांच को ठप कर दिया। जहाँ एक ओर सीएसआईएस ने बब्बर खालसा के नेता तलविंदर सिंह परमार पर कड़ी नजर रखी थी, वहीं दूसरी ओर एजेंसी ने वायरटैप की सैकड़ों घंटों की अहम रिकॉर्डिंग नष्ट कर दीं, जिससे वे सबूत मिट गए जिनके आधार पर तेजी से आपराधिक सजा दिलाई जा सकती थी।

एजेंसी ने कहा 23 जून 1985 को, कनाडा में मौजूद खालिस्तानी चरमपंथियों द्वारा लगाए गए बम ने विमान को नष्ट कर दिया, जिससे उसमें सवार सभी लोग मारे गए, जिनमें से ज्यादातर कनाडाई थे। यह कनाडा के इतिहास का सबसे घातक आतंकवादी हमला और हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा कम्युनिटी के लिए एक अहम मोड़ बना हुआ है।

मनीमाजरा में सघन एकीकृत स्वास्थ्य शिविर के माध्यम से प्रारंभिक रोग पहचान एवं टीबी उन्मूलन अभियान को मिली गति

चंडीगढ़/यूटर्न/25 जून। स्वास्थ्य विभाग, यू.टी. चंडीगढ़ द्वारा आज सामुदायिक केंद्र, मनीमाजरा में सघन एकीकृत स्वास्थ्य शिविर का आयोजन जारी रखा गया। यह अभियान संवेदनशील एवं उच्च जोखिम वाले समुदायों में प्रारंभिक रोग पहचान, निवारक स्वास्थ्य सेवाओं तथा सामुदायिक पहुंच को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इस अभियान का शुभारंभ कल स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग की कार्यवाहक निदेशक एवं मिशन निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम), यू.टी. चंडीगढ़, डॉ. सद्भावना पंडित द्वारा किया गया था। यह अपनी तरह की पहली

पहल है जिसमें विभिन्न राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों को एक ही मंच पर लाकर व्यापक जांच, निदान, परामर्श, रेफरल तथा उपचार सेवाएं समुदाय तक पहुंचाई जा रही हैं। शिविर में क्षय रोग (टीबी), एचआईवी/एड्स, हेपेटाइटिस-बी एवं सी, मधुमेह, उच्च रक्तचाप, सिफिलिस सहित विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं की निःशुल्क जांच की गई। मौके पर जांच, जागरूकता, परामर्श एवं निदान सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम (एनटीईपी) की मोबाइल डायग्नोस्टिक वैन भी तैनात की गई।

कैब और ऑटो चालकों की मांगों के समर्थन में आए मेयर सौरभ जोशी

किराया संशोधन और एग्रीगेटर कंपनियों के मुद्दों पर कार्रवाई का भरोसा

अजीत झा

चंडीगढ़/यूटर्न/25 जून। चंडीगढ़ के मेयर सौरभ जोशी ने शहर के कैब और ऑटो-रिक्शा चालकों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए उनकी मांगों को संबंधित विभागों के समक्ष उठाने और उचित समाधान का भरोसा दिया है।

गुरुवार को सेक्टर-25 स्थित रैली ग्राउंड में हड़ताल पर बैठे कैब और ऑटो चालकों से मुलाकात कर मेयर ने उनकी समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की। इस दौरान चंडीगढ़ ट्राइसिटी कैब ड्राइवर यूनियन और ऑटो रिक्शा वेलफेयर एसोसिएशनों के प्रतिनिधिमंडल ने यूनियन अध्यक्ष अमनदीप सिंह के नेतृत्व में मेयर को एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में लगातार बढ़ रही पेट्रोल, डीजल और सीएनजी की कीमतों को

देखते हुए टैक्सी और ऑटो किरायों में संशोधन की मांग की गई। साथ ही ऐप आधारित परिवहन सेवाएं संचालित करने वाली एग्रीगेटर कंपनियों के लिए निर्धारित नीतियों को सख्ती से लागू करने की भी मांग उठाई गई।

प्रॉपर्टी टैक्स वसूली में तेजी लाने के निर्देश, नगर निगम कमिश्नर ने की समीक्षा बैठक

लुधियाना/यूटर्न/25 जून। शहर में विकास कार्यों और मूलभूत सुविधाओं के लिए जरूरी प्रॉपर्टी टैक्स की वसूली को लेकर नगर निगम अब सख्त रुख अपनाने की तैयारी में है। नगर निगम कमिश्नर ओजस्वी अलंकार ने बुधवार को सराभा नगर स्थित नगर निगम जोन-डी कार्यालय में प्रॉपर्टी टैक्स वसूली की समीक्षा बैठक की। बैठक में अधिकारियों को बकाया वसूली में तेजी लाने और ब्लॉक स्तर पर लक्ष्य तय कर काम करने के निर्देश दिए गए।

कमिश्नर अलंकार ने स्पष्ट किया कि प्रॉपर्टी टैक्स वसूली में किसी भी तरह की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से कहा कि बकायादारों से संपर्क कर टैक्स जमा करवाने की प्रक्रिया तेज की जाए। इसके लिए नियमित समीक्षा बैठकें भी की जाएंगी, ताकि वसूली की प्रगति पर लगातार नजर रखी जा सके।

बैठक में संयुक्त कमिश्नर तापन भनोट, संयुक्त कमिश्नर अमनप्रीत सिंह, जोनल कमिश्नर नीरज जैन, गुरपाल सिंह, जसदेव सेखों, सुपरिंटेंडेंट प्रॉपर्टी टैक्स सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। कमिश्नर ने शहरवासियों से अपील की कि वे जुमार्ने से बचने के लिए समय पर अपना प्रॉपर्टी टैक्स जमा करवाएं। उन्होंने कहा कि नागरिकों से प्राप्त टैक्स राशि का उपयोग शहर में सड़क, सफाई, स्ट्रीट लाइट, सीवरेज और अन्य बुनियादी सुविधाओं को बेहतर बनाने तथा विकास कार्यों को आगे बढ़ाने में किया जाता है।

Owner, Publisher, Printer: - Komal Sharma, Printed by DB Corp LTD VPO Hamira, Distt Kapurthala-144601 (PB), Published by: House No 68, New Sarabha Nagar, VPO Daad, Ludhiana (PB) - 142022, Editor: Sandeep Sharma
तमाम प्रकाशित सामग्री के चयन व संपादन हेतु आरबीएक्ट के तहत जिम्मेवार।
Contact - +91 9814295372